चैत्र कृष्ण पक्ष चतुर्दशी-अमावस्या, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 251 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
18 मार्च 2026 बुधवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
35.1 अधिकतम
16.2 न्यूनतम

Page-7

इंदौर में कारोबारी के घर दर्दनाक हादसा, ईवी में सुरक्षा को लेकर उठे गंभीर सवाल

चार्ज हो रही इलेक्ट्रिक कार में लगी आग घर में फैली, आठ जिंदा जले

- » घर में लगे थे इलेक्ट्रॉनिक लॉक, बिजली गुल होने से नहीं खुले
- » घर में पॉलीमर केमिकल रखा होने से आग और भड़की
- » एलपीजी सिलेंडर में एक के बाद एक कई धमाके हुए
- » बुरी तरह झुलसे तीन घायल अस्पताल में भर्ती

इंदौर, एजेंसी

शहर के बंगाली चौराहे के पास ग्रेटर बृजेश्वरी कॉलोनी में बुधवार तड़के करीब चार बजे भीषण हादसा हो गया। यहां एक इलेक्ट्रिक कार चार्जिंग में लगी थी, तभी उसमें शॉर्ट सर्किट हुआ और आग लग गई, जिसने देखते ही देखते तीन मंजिला मकान को अपनी चपेट में लिया। इसमें शहर के एक बिजनेसमैन सहित आठ लोगों की जलकर मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं। इसमें परिवार के कुछ रिश्तेदार भी शामिल हैं जो इंदौर में कैंसर का इलाज करवाने आए थे। घर के लोगों के मुताबिक घर में रखे चार गैस सिलेंडर और आठ एसी में ब्लास्ट हुआ था। इसके बाद आग ने भयावह रूप धारण कर लिया । घर की बिजली चली गई और इलेक्ट्रिक गेट खुल नहीं पाए। इसकी वजह से लोग घरों में ही फंस गए। घटना इतनी भयावह थी कि आठ साल का बच्चा बुरी तरह जल गया। उसके शव को पोटली में निकाला गया ।

पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के मुताबिक, यह घर मनोज पुगलिया का था, जो पॉलीमर का कारोबार करते थे। घर में कुछ ऐसे केमिकल भी रखे थे जो ज्वलनशील हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि इलेक्ट्रिक वाहन के चार्जिंग पॉइंट में विस्फोट से आग लगी, जो कार से होते हुए घर तक फैल गई। घर में 10 से ज्यादा गैस सिलेंडर और ज्वलनशील केमिकल भी रखे थे, जिससे आग और भयावह हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक फायर ब्रिगेड आग की सूचना के बाद करीब डेढ़ घंटे पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त घर में कई रिश्तेदार भी मौजूद थे। मनोज के बड़े बेटे ने कहा- बहन, मामा की बेटी, उनके दो बच्चे और छोटे मामा के बेटे कल ही आए थे, रात में ही यह हादसा हो गया। यहां से एक राहगीर मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। उन्होंने देखा कार और मकान में आग लगी थी। उन्होंने शोर मचाया तो हम लोग बाहर आए। 4 लोग बाहर आ चुके थे। करीब 8 लोग अंदर थे। एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया के मुताबिक, 7 लोगों का पोस्टमॉर्टम हुआ है। दो लोगों को डिस्चार्ज किया गया है। चार लोग बुरी तरह झुलसे हुए हैं। इस हादसे में आठ लोग जिंदा जले हैं।

मनोज पुगलिया

सिमरन पुगलिया

इनमें परिवार के मुखिया 60 वर्षीय मनोज जैन पुंगलिया, 30 वर्षीय सिमरन, विजय सेठिया, सुमन, 15 साल की राशि, आठ साल का बच्चा तनय और छोटू सेठिया शामिल है। परिवार के कुछ लोग इस वजह से बच गए कि वह शादी समारोह के लिए बाहर गए थे।

पिछले साल भी ऐसी ही हुई थी एक और घटना

इससे पहले 23 अक्टूबर 2025 की सुबह इंदौर के कारोबारी और कांग्रेस नेता प्रवेश अग्रवाल के घर भी ऐसा ही हादसा हुआ था। उनके घर मंदिर में जल रही अखंड ज्योति से आग पूरे पेंट-हाउस में फैल गई थी। उनके यहां भी आग से घर में लगे डिजिटल लॉक ने काम करना बंद कर दिया था। प्रवेश अग्रवाल की पत्नी और बेटी को बचाकर अस्पताल में भर्ती किया गया था। उन्हें बचाते हुए प्रवेश अग्रवाल की मौत हो गई थी।

एक्सपर्ट कमेटी बनाएंगे- कैलाश

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि यह बहुत दुखद घटना है। यह खतरनाक चेतावनी भी है, क्योंकि ईवी का युग है। पूरा समाज ईवी की तरफ जा रहा है। पुलिस कमिश्नर से कहा गया है कि इसके लिए एक्सपर्ट की कमेटी बनाएं, ताकि इसकी पुनरावृत्ति नहीं हो। इसकी पूरी जानकारी लेकर इसकी एसओपी बनाना चाहिए।

ईरान के सिक्योरिटी चीफ अली लारिजानी और उनके बेटे की मौत की पुष्टि

इजराइल ने कहा- अब नए ईरानी सुप्रीम लीडर को ढूंढकर मारेंगे

तेल अवीव/तेहरान. एजेंसी

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जंग के 19 वें दिन इजराइल ने कहा है कि वो ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई को ढूंढकर खत्म कर देगा। सेना के प्रवक्ता एफी डेफ्रिन ने कहा कि भले ही उनके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन इजराइल उन्हें खत्म करेगा। इससे पहले इजराइल के हमले में ईरान के सिक्योरिटी चीफ अली लारिजानी और उनके बेटे की मौत हो चुकी है । ईरान ने भी मौत की पुष्टि कर दी है। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल की राजधानी तेल अवीव समेत 100 से ज्यादा जगहों पर मिसाइल अटैक किया। ईरान का कहना है कि यह हमला लारिजानी, उनके बेटे और बसीज फोर्स के कमांडर घोलामरेजा सुलेमानी की मौत का बदला है। तेल अवीव के सविधोर सेंट्रल ट्रेन स्टेशन पर ईरान के क्लस्टर म्यूनिशन हमले के बाद भारी तबाही की खबर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस हमले में स्टेशन के आसपास के इलाके को नुकसान पहुंचा और वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि हताहतों को लेकर अभी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

लेबनान में रिहायशी इलाकों पर हमले

बीती देर रात इजरायल ने सेंट्रल बेरूत पर दो हवाई हमले किए। इन हमलों में कम से कम 6 लोग मारे गए और 24 लोग घायल हो गए। हमले जुक्काक अल-ब्लात और बस्ता इलाके में हुए। ये दोनों जगहें बेरूत के बीचों-बीच आवासीय इलाके हैं। इजरायली विमानों ने बिना किसी चेतावनी इन इलाकों में मिसाइलें दागीं। हमलों का निशाना कुछ अपार्टमेंट थे, जिनमें आम नागरिक रहते हैं। लेबनान के स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, मरने वालों और घायलों में महिलाएं और बच्चे भी हो सकते हैं। लोगों के बीच डर का माहौल है और अब उन्हें लगने लगा है कि देश में कहीं भी सुरक्षित जगह नहीं बची है। इजराइल की ओर से पहले ही बेरूत के दक्षिणी इलाकों और पूरे दक्षिण लेबनान को खाली करने के आदेश दिए गए थे। लोग अपना घर छोड़कर जा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद हमले जारी हैं और सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है। इसी बीच अमेरिका ने भी बड़ा एक्शन लिया है। अमेरिकी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट को खोलने की कोशिश में समुद्र किनारे बने ईरानी मिसाइल ठिकानों पर करीब 2200 किलो वजनी खतरनाक बम गिराया, जो जमीन के अंदर बने ठिकानों को भी तबाह कर देता है।

विस्तार की तरफ इजराइल और भटकाव में उलझा अमेरिका

वॉर एनालिसिस

● राजेश सिरोठिया

ईरान पर हमले को लेकर इजरायल और अमेरिका की रणनीति का सबसे बड़ा फर्क जंग के 19 वें दिन और भी साफ नजर आने लगा है। इजराइल ने इस जंग में बीते साल 13 जून से 24 तक के अनुभवों से सबक लिया और तगड़े होमवर्क के साथ रणीनति पर काम किया। ईरान पर उसने जो भी हमले बोले वह उसकी खुफिया एजेंसी की सटीक सूचनाओं पर आधारित थे। इसके चलते पहले दिन अयातुल्ला ख़ामेनेई का कई टॉप कमांडरों सहित इंतकाल हो गया। उनके बेटे मोजतबा बाल - बाल बचे लेकिन गंभीर रूप से घायल हैं । उनकी गैरमौजूदगी में ईरान की अंतरिम काऊंसिल के सचिव के बतौर रक्षा की कमान संभाल रहे अली लारिजानी के साथ उनके बेटे और सुरक्षा गार्ड को भी कल मार गिराया। हमला अचूक इसलिए रहा क्योंकि उसे इस पुख्ता जानकारी के बाद इसे अंजाम दिया गया कि लारिजानी अपनी बेटी के घर पर हैं । आईआरजीसी ने देर रात इजराइल के दावों को खारिज करने बाद अब उसकी मौत की पुष्टि कर दी है । इजरायल का मकसद साफ है। ईरान पर अमेरिका के हमलों को देखते हुए उसने ईरान सरकार से वित्त पोषित उसके प्रॉक्सी संगठन हिजबुल्लाह पर अटैक करते हुए लेबनान में घुसपैठ की है। यह उसकी ग्रेटर इजरायल के सपने को आकार देने की योजना का हिस्सा है। इजरायल के योजनापूर्वक हमलों ने ईरान को उसी बौखलाहट में डाला है जो ईरान के पलटवार से गुस्साए ट्रम्प के चेहरे और जुबां से दिखाई देती है। अमेरिका ने पिछले साल ईरान पर हमले के बाद जंग का समापन इस दावे के साथ किया था कि अमेरिकी वायुसेना ने ईरान के पमाणु ठिकानों को लगभग ध्वस्त कर दिया है। फिर भला इजरायल के साथ ताजा जंग में सीधे कूदने का क्या औचित्य है? ईरान के मुकाबले अमेरिका के रोजाना के खर्चे और नुकसान का हिसाब कई गुना अधिक है। ट्रम्प की सुई ईरानी स्ट्रेट ऑफ हॉरमुज के उस जल क्षेत्र पर अटक गई है जो ईरानी संप्रभुता पर सीधा हमला है। सभी देशों के लिए कानूनी प्रावधान तय हैं कि किस देश के एयर स्पेस के साथ उसका जलक्षेत्र कितना है। उसे यह हक है कि इसमें घुसने की इजाजत किसे दे और किसे रोके। नाटो सहित दूसरे देशों ने सहयोग की ट्रम्प की अपील को भी इसीलिए खारिज कर दिया कि वे जंग के बजाए संवाद से इसका हल निकालें। अमेरिका के एंटी टेरर सेंटर के मुखिया जो केंट के इस्तीफे वजह सार्वजनिक होने से यह साफ हो चुका है कि अमेरिका को ईरान से कोई खतरा ही नहीं था। दबी जुबान से ट्रम्प ईरान के आक्रामक जवाब को स्वीकर भी रहे हैं लेकिन जिद भी कायम है। हॉरमुज के किनारे सैन्य ठिकानों पर बड़े हमले का दावा जिद का ही नतीजा है। उनकी चिढ़ यह है कि भारत सहित अन्य एशियाई मुल्कों के तेल और गैस से लदे जहाजों को क्यों निकल रहे हैं जबकि और अमेरिकी जहाजों पर पाबंदी है । उन्हें कौन समझाए कि हवा हवाई हमले से जंग नहीं जीती जा सकती। मैदानी लडाई से ही यह मुमकिन है। इस मुकाम पर क्या ट्रम्प जोखिमों से भरा ऐसा कदम उठाएंगे?

एयर इंडिया की फ्लाइट में जज के खाने में मिला फंगस

लखनऊ। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर दिल्ली से आई एयर इंडिया की फ्लाइट में उस समय विवाद खड़ा हो गया, जब एक न्यायाधीश को परोसे गए भोजन में फंगस पाया गया। आपत्ति जताने के बाद मामला और बढ़ गया और केबिन क्रू के व्यवहार को लेकर हंगामा हो गया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार दिल्ली से लखनऊ आने के लिए एयर इंडिया की फ्लाइट ए आई 1720 से यात्रा कर रहे थे। रात करीब 9:40 बजे लखनऊ पहुंचने वाली इस उड़ान में उनकी सीट 1 ए थी। यात्रा के दौरान उन्हें जो भोजन परोसा गया, उसमें फंगस लगा हुआ बताया गया, जिसे देखकर उन्होंने आपत्ति जताई। आरोप है कि शिकायत करने पर केबिन क्रू सदस्य मनप्रीत और प्रीति ने समस्या का समाधान करने के बजाय अभद्र व्यवहार किया।

आज का कार्टून

मुख्यमंत्री को भेंट की नव संवत्सर की गुड़ी

भोपाल। समग्र मराठी समाज ने आज मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को हिन्दू नव संवत्सर गुड़ी पड़वा की गुड़ी भेंट की। इसके साथ ही मराठी समाज की बहनों ने तिलक लगाकर नववर्ष के लिए आशीर्वाद और शुभकामनाएं दी। उल्लेखनीय है कि चैत्र नवरात्रि की कल 19 मार्च से शुरुआत हो रही है। इस दिन मराठी समाज की ओर से घरों पर गुड़ी लगाई जाती है।

भोपाल की जेके यूनिवर्सिटी को सीरियल ब्लास्ट की धमकी, कैंपस में तलाशी जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल की जेके मेडिकल यूनिवर्सिटी, एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, जेके हॉस्पिटल एवं एलएन मेडिकल कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। बम डिस्पोजल स्कवाड सहित पुलिस मौके पर है। कॉलेज कैंपस के चप्पे-चप्पे की बारीकी से तलाशी ली जा रही है। मेल करने वाले ने कॉलेज परिसर में करीब 21 बम रखे होने की धमकी दी है। जानकारी के मुताबिक सुबह करीब 10 बजे यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल आईडी पर यह मेल प्राप्त हुआ है। जिसमें लिखा है कि इस्लामी समय अनुसार जौहर की नमाज के बाद (दोपहर 1:30 बजे) कॉलेज में सीरियल ब्लास्ट होंगे। धमकी का मेल मिलने के बाद जेके अस्पताल की दोनों बिल्डिंगों में अफरा-तफरी का माहौल है। स्टाफ को बाहर कर सर्चिंग की जा रही है।

बता दें कि इससे पहले पीपल्स यूनिवर्सिटी सहित नापतौल कार्यालय और एम्स अस्पताल को भी बम से उड़ाने की धमकी दी जा चुकी है। सभी मामलों में पुलिस जांच कर रही है।

किम जोंग ने जीतीं सभी 687 सीटें, हासिल किए 99.93% वोट

प्योंगयांग। नॉर्थ कोरिया में हुए 2026 के संसदीय चुनावों में देश के सुप्रीम लीडर किम जोंग ने पूर्ण बहुमत के साथ जीत हासिल कर ली है। स्टेट मीडिया के हवाले से खबर है कि किम जोंग उन की सत्तारूढ़ पार्टी और उसकी सहयोगी पार्टियों ने 99.93 फीसदी वोट हासिल करते हुए संसद की सभी सीटों पर कब्जा जमा लिया है।

राज्यसभा से रिटायर हुए सांसदों की विदाई

राजनीति में कोई फुल स्टॉप नहीं भविष्य को आपका इंतजार: मोदी

नईदिल्ली. एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में सेवानिवृत्त हो रहे सांसदों के विदाई सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि राजनीति में कोई पूर्ण विराम नहीं होता। उन्होंने निवर्तमान सांसदों के योगदान को सराहा और विधायी बहसों तथा राष्ट्र-निर्माण में उनकी भूमिका को रेखांकित किया। पीएम मोदी ने कहा, सदन के अंदर अनेक विषयों पर चर्चाएं होती हैं, हर किसी का महत्वपूर्ण योगदान होता है, कुछ खट्टे मीठे अनुभव भी रहते हैं। लेकिन, जब ऐसा अवसर आता है, तो स्वाभाविक रूप से दलगत भावना से ऊपर उठकर हम सबके भीतर एक समान भाव प्रकट होता है कि हमारे ये साथी अब किसी और विशेष काम के लिए आगे बढ़ रहे हैं।

भविष्य कर रहा इंतजार

प्रधानमंत्री ने कहा आज यहां से जो साथी विदाई ले रहे हैं, उनमें से कुछ फिर से आने के लिए विदाई ले रहे हैं और कुछ विदाई के बाद यहां का अनुभव लेकर सामाजिक जीवन में कुछ न कुछ विशेष योगदान के लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा जो जा रहे हैं, लेकिन आने वाले नहीं हैं, उनको भी मैं कहना चाहूंगा कि राजनीति में कोई फुलस्टॉप नहीं होता है, भविष्य आपका भी इंतजार कर रहा है और आपका अनुभव, आपका योगदान राष्ट्र जीवन में हमेशा बना रहेगा।

हर सदस्य अनोखी भूमिका निभाता है

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'सदन में विभिन्न मुद्दों पर चर्चाएं होती हैं और हर सदस्य इनमें एक अनोखी भूमिका निभाता है। ऐसे क्षणों में, दलीय सीमाओं से ऊपर उठकर आपसी सम्मान की एक भावना पैदा होती है। उन नेताओं से, जो अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद सदन छोड़ रहे हैं, मैं यह कहना चाहता हूं कि राजनीति में कोई पूर्ण विराम नहीं होता।

एलपीजी संकट: 70 फीसदी बढ़ गई डिमांड, वेटिंग चार दिन

होटल-रेस्टोरेंट को 10 फीसदी कमर्शियल सिलेंडर देने की गाइडलाइन, आदेश नहीं आए

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश में एलपीजी संकट बरकरार है। होटल और रेस्टोरेंट को लगातार 8वें दिन कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई नहीं हुई है। हालांकि, ऑयल कंपनियों की नई गाइडलाइन में 10 फीसदी कमर्शियल सिलेंडर देने की बात कही गई है, लेकिन सप्लाई के आदेश नहीं आए हैं। यदि आदेश आते हैं तो प्रदेश के 50 हजार होटल और रेस्टोरेंट को कमर्शियल सिलेंडर मिल सकते हैं।

इधर, एलपीजी संकट के बाद प्रदेश में घरेलू सिलेंडर की डिमांड 70 प्रतिशत तक बढ़ गई है। इस वजह से वेटिंग 3 से 4 दिन तक चल रही है। भोपाल के फूड कंट्रोलर चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया कि भोपाल में साढ़े 5 लाख घरेलू-कमर्शियल सिलेंडर कनेक्शन हैं। इनमें 80 हजार कमर्शियल और 4.70 लाख घरेलू सिलेंडर कनेक्शन शामिल हैं। 7 दिन पहले तक भोपाल में हर रोज एवरेज 8500 सिलेंडर की बुकिंग होती थी, जो अब 14 हजार तक पहुंच गई है। डिमांड बढ़ने से 5 से 6 हजार सिलेंडर का अंतर आ गया। इस वजह से आंकड़ा 48 हजार तक पहुंच गया है। गैस की किल्लत के चलते पूरे प्रदेश में प्रदर्शन का दौर भी जारी है। सोमवार को भोपाल में पूर्व मंत्री पीसी शर्मा समेत कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चाय की दुकान लगाई। नाले में पाइप लगाकर उससे निकलने वाली गैस से चाय बनाने की कोशिश की। प्रदर्शन स्थल पर लगाए गए पोस्टर में लिखा था- कृपया मोदी जी की सलाह मानें। रसोई गैस के पीछे न भागें, गंदे नाले की गैस का उपयोग करें।

सिलेंडर सप्लाई बढ़ाई: फूड कंट्रोलर जादौन ने बताया, पिछले 2-3 दिन में भेपाल में ही रोजाना 12 से 13 हजार सिलेंडर की सप्लाई कर रहे हैं। अगले 3 से 4 दिन में क्लियर कर देंगे। भरत और एचपी कंपनी की ऑनलाइन और इंडेन की ऑफलाइन बुकिंग की जा रही है। इंडेन के सबसे ज्यादा 65 फीसदी तक कनेक्शन हैं। कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई को लेकर मंगलवार को ऑयल कंपनियों की नई गाइडलाइन आई। जिसमें 12 कैटेगिरी को कमर्शियल सिलेंडर देने की बात कही गई है। इनमें रेस्टोरेंट, होटल और ढाबों को खपत की 10 फीसदी आपूर्ति भी शामिल हैं। फूड कंट्रोलर जादौन ने बताया कि विस्तृत आदेश आएंगे, तब सप्लाई शुरू कर देंगे।

महाराष्ट्र में 70 फीसदी सप्लाई, एमपी में भी मांग

एमपी होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुमित सूरी ने बताया, एसोसिएशन को महाराष्ट्र के उपहार गृहों में 70 प्रतिशत रिलीफ यानी, सिलेंडर दिए जाने के आदेश मिले हैं। एमपी में भी ये आदेश आ सकते हैं। फिलहाल मंगलवार को भी कमर्शियल सिलेंडर नहीं दिया गया। इस कारण प्रदेश के 50 हजार से अधिक होटल और रेस्टोरेंट में समस्या बनी रही। यदि इन्हें भी सिलेंडर मिलेंगे तो यह होटल इंडस्ट्री के लिए ऑक्सीजन मिलने जैसा रहेगा। पिछले 8 दिन से सप्लाई नहीं होने से भोपाल, इंदौर समेत कई जिलों में होटल-रेस्टोरेंट में गैस का स्टॉक खत्म हो रहा है। वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में इंडक्शन, डीजल भट्ठी के इंतजाम जरूर किए हैं, लेकिन यह बहुत ही खर्चिला है। इसलिए मेन्यू में बदलाव करने की गाइडलाइन जारी की। सिलेंडर की कमी और ग्राहकों की संख्या कम होने के बावजूद प्रदेश के किसी भी होटल या रेस्टोरेंट से कर्मचारियों को नहीं निकाला गया।

रेल पेंशनर्स के लिए मंडल ने जारी की एडवाइजरी

सावधान! फर्जी 'रेल अधिकारी' बनकर ठग रहे हैं जालसाज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने रेलकर्मियों और पेंशनभोगियों (पेंशनर्स) के लिए एक महत्वपूर्ण सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। हाल के दिनों में साइबर ठगी के ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें जालसाज खुद को रेल अधिकारी बताकर सेवानिवृत्त होने वाले या हो चुके कर्मचारियों को निशाना बना रहे हैं। रेल प्रशासन के अनुसार, अज्ञात व्यक्ति अधिकारियों के नाम का उपयोग कर फोन कॉल कर रहे हैं।

अति-संवेदनशील बैंकिंग जानकारी मांगने का तरीका: ये ठग बैंक खाता विवरण, एटीएम पिन, ओटीपी और अन्य संवेदनशील जानकारियां मांगते हैं। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि विभाग का कोई भी अधिकारी या कर्मचारी कभी भी फोन पर इस तरह की बैंकिंग जानकारी या पासवर्ड नहीं मांगता है। मंडल रेल प्रशासन ने अपील की है कि कर्मचारी किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और न ही किसी के दबाव में आकर अपनी गोपनीय जानकारी साझा करें।

सत्यापन और सुरक्षा के उपाय: किसी भी सूचना की पुष्टि के लिए संबंधित कार्यालय या बैंक शाखा में व्यक्तिगत रूप से संपर्क करना ही सुरक्षित है। साइबर धोखाधड़ी का शिकार होने या संदेह होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। साथ ही, इसकी सूचना निकटतम रेलवे कार्यालय को भी दें। सतर्कता और जागरूकता ही साइबर अपराधियों से बचने का सबसे प्रभावी तरीका है।

संत वासूराम साहिब का जन्मोत्सव 24 से

संतनगर, दोपहर मेट्रो।

संत वासूराम साहिब का 238वां जन्मोत्सव श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। संत वासूराम सनातन दरबार में महोत्सव 24 से 27 मार्च तक चलेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलवार, 24 मार्च को सायं 5 बजे अखंड पाठ साहिब के साथ होगा, जिसके पश्चात बहराणा साहिब की ज्योत, छेज और रात्रि में माता का जागरण आयोजित किया जाएगा। उत्सव के दूसरे दिन आशादीवार व सत्संग के साथ शाम को स्वामी शांतिप्रकाश आश्रम की दादी विद्यादेवी का सत्संग और रात्रि में म्यूजिकल पार्टी का आनंद श्रद्धालु ले सकेंगे। 26 मार्च को 51 बच्चों का सामूहिक जनेऊ संस्कार होगा, जो भाई साहिब पुरुषोत्तम लाल जी की हुजूरी में आचार्य पंडित जय कुमार शर्मा द्वारा वैदिक रीति-रिवाज से संपन्न कराया जाएगा। इसी दिन दोपहर में दुआ साहिब, भंडारा साहिब और शाम को भोग कार्यक्रम होगा।

एमपी नगर चौराहे पर रोज लगता जाम

भोपाल। शहर के व्यस्ततम इलाकों में से एक एमपी नगर बोर्ड ऑफिस चौराहा से भोपाल हाट तक हर रोज शाम के समय भीषण ट्रैफिक जाम की स्थिति बन जाती है। दफ्तरों की छुट्टी के समय सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। शाम होते ही इस मार्ग पर दोपहिया, चारपहिया और सार्वजनिक वाहनों का दबाव अचानक बढ़ जाता है। जाम की स्थिति ऐसी बनती है कि कई बार वाहन रेंगते हुए आगे बढ़ते हैं और लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी देर लग जाती है। लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव तो रोज रहता है, लेकिन इसके बावजूद यातायात पुलिस की मौजूदगी बहुत कम नजर आती है।

मेला स्थल का हुआ भूमिपूजन

नववर्ष मेला महोत्सव कल से, संस्कृति, रोजगार व शिक्षा का पारिवारिक संगम देखने को मिलेगा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के पावन अवसर पर आयोजित होने वाले नववर्ष मेला महोत्सव स्थल का भूमिपूजन महानगर मेला उत्सव समिति की ओर से किया गया। इस अवसर पर महानगर मेला उत्सव समिति, भोपाल के पदाधिकारियों ने बताया कि हिंदू नववर्ष के पावन अवसर पर आयोजित नववर्ष मेला महोत्सव का शुभारंभ 19 मार्च को दशहरा मैदान, टीटी नगर में होगा। यह महोत्सव 18 अप्रैल 2026 तक चलेगा। एक माह तक चलने वाले इस मेले में शिक्षा, संस्कृति, रोजगार और व्यापार का भव्य पारिवारिक संगम देखने को मिलेगा। मेले में धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों की विशेष श्रृंखला भी आयोजित की जाएगी।

महानगर मेला उत्सव समिति, भोपाल ने हिंदू नववर्ष के इस भव्य नववर्ष मेला महोत्सव में सम्मिलित होकर शिक्षा, संस्कृति, रोजगार एवं व्यापार के पारिवारिक संगम के साक्षी बनने का आग्रह किया। इस अवसर पर गुफा मंदिर के महंत राम प्रवेश दास, मरघटिया मंदिर के महंत कन्हैया दास, पंडित विष्णु राजौरिया(परशुराम बोर्ड), पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता , मेला संयोजक एवं पूर्व नगर निगम अध्यक्ष कैलाश मिश्रा, उद्योगपति ओपी बंसल, मेला समिति के महासचिव अजय अग्रवाल तथा कोषाध्यक्ष राकेश जोशीसहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समिति ने बताया कि 21 मार्च को भजन गायक लखबीर सिंह लक्खा द्वारा भजन संध्या। 23 मार्च को शहीदी दिवस के अवसर पर देशभक्ति गीत-संगीत कार्यक्रम होगा। 24 को नवरात्रि विशेष धार्मिक नृत्य नाटिका का आयोजन। 28 को राजाभोज महानाट्य प्रस्तुति दी जाएगी। 4 अप्रैल को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन।13 अप्रैल को खाटूश्याम भजन संध्या होगी।

साहित्य विभूषण सम्मान से सम्मानित हुए कुलाधिपति चौबे

भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे को 'अति विशिष्ट साहित्य विभूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान प्रतिष्ठित कथाकार ममता कालिया, व्यंग्यकार प्रेम जनमेजय, बीपीए फाउंडेशन एवं इंडिया नेटबुक्स के अध्यक्ष संजीव कुमार द्वारा नईदिल्ली में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। चौबे को वैश्विक स्तर पर साहित्य, कला, संस्कृति, हिंदी भाषा और शिक्षा के क्षेत्र में रचनात्मक और सृजनात्मक कार्यों के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि कवि-कथाकार, उपन्यासकार, संपादक और अनुवादक संतोष चौबे अपने अभिनव रचनात्मक प्रकल्पों और नवाचारों के लिए वैश्विक स्तर पर एक विशिष्ट पहचान रखते हैं। उन्होंने हिन्दी भाषा और भारतीय साहित्य, कला एवं संस्कृति के प्रसार के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय 'विश्वरंग' महोत्सव की वर्ष 2019 में भोपाल से शुरुआत की जिसके आज 70 से अधिक सदस्य देश हैं। विश्व रंग 'मॉरीशस', श्रीलंका, दिल्ली, मुंबई और हाल ही में भोपाल में विश्व रंग का सातवाँ भव्य आयोजन कर हिंदी के वैश्विक विस्तार की जमीन तैयार की है। चौबे को मैक्समूलर अंतरराष्ट्रीय अलंकरण-2025' (नीदरलैंड्स), सिंगापुर में 'विश्व हिंदी शिखर सम्मान- 2024', लंदन में 'वातायन यू.के. अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मान 2023' और अमेरिका के प्रतिष्ठित संस्थान द्वारा 'लाईफ टाईम एचीवमेंट अवार्ड-2023 से सम्मानित किया जा चुका है।

भविष्य की महामारियों को रोकने की कवायद

रैबीज और स्क्रब टाइफस के वायरस पर नजर रखेगा गांधी मेडिकल कॉलेज

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी के गांधी चिकित्सा महाविद्यालय (जीएमसी) की वायरोलॉजी लैब को अब भविष्य की महामारियों को रोकने के लिए पहरेदार (सेंटिनल सर्विलांस साइट) के रूप में विकसित किया जा रहा है। केंद्र सरकार के वन हेल्थ प्रोग्राम के तहत यहां विशेष केंद्र स्थापित किया गया है, जो रैबीज, स्क्रब टाइफस और लेप्टोस्पायरोसिस जैसी उन बीमारियों की निगरानी करेगा जो जानवरों से मनुष्य में फैलती हैं। पशु और मानव स्वास्थ्य के डेटा को साथ जोड़कर सटीक जांच नई व्यवस्था के तहत ऐसे मरीजों के नमूनों की लैब में गहराई से जांच की जाएगी ताकि पता चल सके कि कोई नया वायरस तो नहीं पनप रहा। यह प्रयोगशाला अब पशु और मानव स्वास्थ्य के डेटा को एक साथ जोड़कर बीमारियों के जेनेटिक स्ट्रक्चर की सटीक जांच करेगी। इससे भोपाल और आसपास के जिलों में संक्रमण और वायरस के बदलते पर स्वरूप के खतरों पर प्रभावी लगाम लगेगी। निगरानी केंद्र मुख्य रूप से उन चार बीमारियों पर फोकस करेगा जो भोपाल और आसपास के जिलों में पाई जाती हैं। दरअसल, देश भर में अलग-अलग वायरोलाजी लैब को अलग-अलग बीमारियों की निगरानी का काम सौंपा गया है। अभी तक प्रशासन बीमारी फैलने के बाद सक्रिय होता था, लेकिन यह सेंटर पहरेदार की तरह काम करेगा और क्षेत्र में इन बीमारियों के एक-दो संदिग्ध मरीज मिलते ही यह साइट अर्ली वार्निंग जारी कर देगी। इससे स्वास्थ्य विभाग को मैदान में दवा छिड़काव, टीकाकरण या अन्य निरोधात्मक कदम उठाने का समय मिल जाएगा। इसके अलावा निजी लैब में होने वाली महंगी जांचों की सुविधा आम जनता को यहां निश्शुल्क मिलगी।

जीएमसी में सेंटिनल सर्विलांस साइट की स्थापना जूनोटिक बीमारियों के नियंत्रण के लिए की जा रही है। यहां से मिलने वाले सटीक डेटा के आधार पर हम भविष्य की महामारियों को रोकने के लिए ठोस रणनीति बना सकेंगे।

क्रेडाई की बैठक में मास्टर प्लान को लागू करने पर जोर

नीतियों में स्थिरता, पारदर्शिता व एकरूपता लाने की जरूरत

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

क्रेडाई मध्यप्रदेश की बैठक में भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, होशंगाबाद, खंडवा सहित विभिन्न शहरों के चैप्टर प्रतिनिधियों ने भाग लिया और प्रदेश के शहरी विकास और रियल एस्टेट सेक्टर से जुड़े प्रमुख नीतिगत विषयों पर चर्चा की। बैठक में भोपाल के लंबित मास्टर प्लान को शीघ्र लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

प्रदेश अध्यक्ष धीरेश खरे ने कहा कि मध्यप्रदेश में रियल एस्टेट सेक्टर राज्य की आर्थिक वृद्धि का एक महत्वपूर्ण आधार है। आवश्यक है कि नीतियों में स्थिरता, पारदर्शिता और एकरूपता लाई जाए, ताकि निवेश का वातावरण मजबूत हो और विकास की गति बनी रहे। प्रदेश सचिव भरत जैन ने बताया कि क्रेडाई एमपी प्रदेश के सभी चैप्टर्स के साथ समन्वय स्थापित कर व्यावहारिक सुझावों को सरकार तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। मास्टर प्लान, गाइडलाइन रेट और ऋश्वक्रसे जुड़े मुद्दों पर संरचित संवाद आवश्यक है। बैठक में सदस्यों ने कहा कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में कलेक्टर गाइडलाइन रेट में वृद्धि नहीं करने की मांग रखी गई, ताकि बाजार में स्थिरता बनी रहे और आवासीय क्षेत्र पर अतिरिक्त दबाव न आए। बैठक में वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्टाम्प ड्यूटी में राहत, रेरा से जुड़े लंबित मामलों एवं प्रक्रियागत समस्याओं, तथा गाइडलाइन कमेटी में क्रेडाई के प्रतिनिधित्व जैसे मुद्दों पर भी गंभीर चर्चा हुई। तेज शहरीकरण के दौर में मास्टर प्लान में देरी से शहरों के नियोजित विकास और निवेश की गति प्रभावित हो रही है। साथ ही, नए मास्टर प्लान के अभाव में धारा 16 के अंतर्गत स्थगित कर दिए गए लेआउट एप्रूवल जारी रखने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया गया। एफएआर के नियमों की समीक्षा करते हुए विभिन्न शहरों में एकरूपता लाने और व्यावहारिकता बढ़ाने का सुझाव दिया गया। नए चैप्टर्स के लिए कानूनी औपचारिकताओं को सरल बनाने, तथा सभी चैप्टर्स की सक्रियता की स्थिति की समीक्षा भी की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रदेश के सभी प्रमुख शहरों में त्रैमासिक बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाएंगी तथा एक सुव्यवस्थित वार्षिक कैलेंडर तैयार किया जाएगा। इसके अलावा, नेशनल क्रेडाई कार्यक्रमों की सक्रिय सहभागिता से स्किल डेवलपमेंट गतिविधियों को बढ़ावा, तथा पर्यावरण संरक्षण हेतु अभियान चलाने पर भी सहमति बनी।

मेट्रो एंकर

आज शाम 6:30 बजे रविंद्र भवन में स्वर शाला की विशेष प्रस्तुति...

लता जी की स्मृतियों को समर्पित 'कहानी लता की' आयोजन आज

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भारतीय संगीत की स्वर-सम्राज्ञी भारत रत्न लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि स्वरूप उनकी अमर विरासत को नमन करते हुए आज रविंद्र भवन में शाम 6:30 बजे स्वर शाला, एक अनूठी दृश्य-श्रव्य श्रृंखला 'कहानी लता की' प्रस्तुत करने जा रही है। यह कार्यक्रम संगीतकार, म्यूज़िक मेंटर एवं गायक अनूप श्रीवास्तव की संकल्पना से साकार हुआ है, जिसमें लता जी की जीवन-यात्रा को उनके कुछ चुनिंदा, कालजयी गीतों के माध्यम से भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा।

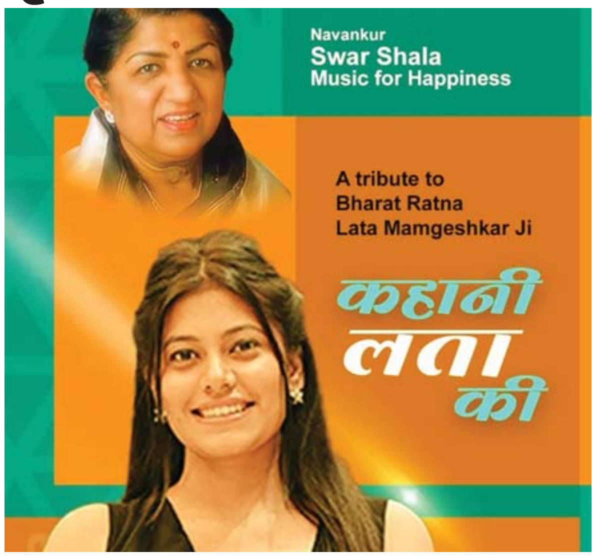

इस विशेष प्रस्तुति में कथा और संगीत का सुगठित संगम देखने को मिलेगा—जहाँ लता जी के संघर्ष, साधना और उपलब्धियों की कहानी उनके स्वर-संसार के प्रतिनिधि गीतों के साथ आगे बढ़ेगी। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल स्मरण करना है, बल्कि नई पीढ़ी तक उस सांस्कृतिक विरासत को संवेदनशीलता और गरिमा के साथ पहुँचाना भी है, जिसने दशकों तक भारतीय संगीत को दिशा दी।

मुख्य कलाकार के रूप में श्रीजा उपाध्याय अपनी सशक्त और सौम्य गायकी से मंच को आलोकित करेंगी। उनके साथ स्वर शाला के उभरते हुए प्रतिभाशाली कलाकार भी सहभागिता करेंगे, जो सामूहिक प्रस्तुति के माध्यम से इस संगीतमय यात्रा को और समृद्ध बनाएँगे।

लता जी के व्यक्तित्व और कृतित्व को समर्पित

'कहानी लता की' केवल एक संगीत कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्मृतियों, भावनाओं और सुरों के माध्यम से रची गई एक श्रद्धांजलि है—जो लता मंगेशकर जी के व्यक्तित्व और कृतित्व को समर्पित है। संगीत-प्रेमियों के लिए यह संध्या एक अविस्मरणीय अनुभव बनने की उम्मीद है। कार्यक्रम का संचालन आलोक खरे और सहयोग सुरेन्द्र अर्गल (सुंदर 'वीर' कैलारसी) करेंगे ।

भगवान श्रीकृष्ण ने उज्जैन को बनाया अपनी शिक्षा स्थली : सीएम यादव

राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के 30 वें दीक्षांत समारोह में पुस्तकों का विमोचन किया। सीएम ने कहा कि ज्ञान-विज्ञान और ध्यान के वैश्विक केन्द्र उज्जैन को भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी शिक्षास्थली के रूप में चुना। चौसठ कलाओं और 14 विद्याओं की यह धरती शौर्य के प्रतीक सुशासन के पुरोधा, विक्रम संवत के प्रवर्तक, भारतीय सांस्कृतिक चेतना के रक्षक और न्यायप्रियता के प्रतीक सम्राट विक्रमादित्य की कर्मस्थली रही है। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय का 30वां दीक्षांत समारोह केवल उपाधि वितरण नहीं बल्कि 7 दशकों के उस समर्पण का परिणाम है, जिसने दुनिया को कुशल मानव संसाधन और श्रेष्ट स्कॉलर सौंपे हैं। विश्वविद्यालय से सम्राट विक्रमादित्य का नाम जुड़ने से विश्वविद्यालय और विद्यार्थियों का गौरव बढ़ा है। ऐसे विश्वविद्यालय की उपाधियों से विभूषित होना विद्यार्थियों के लिए सौभाग्य की बात है।

पदोन्नति नियम उलझे हुए हैं पर सीआर लिखने का टाइम तय

30 जून तक सेल्फ एसेसमेंट दे सकेंगे कर्मचारी समय पर रिपोर्ट नहीं लिखी तो अफसरों पर एक्शन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 लागू करने के बाद हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई के बीच सामान्य प्रशासन विभाग ने कर्मचारियों, अधिकारियों की सीआर (गोपनीय चरित्रावली) लिखने की समय सीमा तय कर दी है। विभाग ने पदोन्नति से संबंधित प्रक्रिया शुरू होने के पहले प्रतिवेदक अधिकारी (रिपोर्टिंग ऑफिसर) और समीक्षक अधिकारी (रिव्यू ऑफिसर) के लिए टाइम लिमिट तय कर दी है। यह निर्देश इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि पदोन्नति नियमों के विरोध में हाईकोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई पूरी हो चुकी है और जल्दी ही इसको लेकर कोर्ट का फैसला आने वाला है। इस मामले में समय सीमा का पालन न करने वाले अफसरों पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई है।

सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव और विभागाध्यक्षों, संभागीय आयुक्त और कलेक्टरों को दिए निर्देश में कहा है कि कर्मचारियों की गोपनीय चरित्रावली (सीआर) लिखने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर रहेगी और इसी स्थिति में सभी एसीआर फाइनल मानी जाएगी। सेल्फ असेसमेंट अवधि में वृद्धि होने से उतने ही दिनों में सभी स्तरों पर टाइम लिमिट बढ़ाई जाएगी तो भी 31 दिसंबर अंतिम तिथि ही होगी। निर्देशों में कहा गया है कि स्व मूल्यांकन के लिए अंतिम तिथि 30 जून एवं सभी स्तर पर संबंधित अधिकारी के अभिमत दर्ज किए जाने के लिए अंतिम तिथि 30 नवंबर रहेगी।

ऐसा रहेगा रिपोर्टिंग टाइम

- अधिकारियों, कर्मचारियों को फॉर्म उपलब्ध कराए जाने की तारीख-30 अप्रैल
- सेल्फ असेसमेंट पेश करने की अवधि-30 जून
- प्रतिवेदक अधिकारी द्वारा गोपनीय प्रतिवेदन में अभिमत दर्ज करना-31 अगस्त
- समीक्षक अधिकारी द्वारा प्रतिवेदन में अभिमत दर्ज करने की अवधि-30 सितंबर
- स्वीकारकर्ता अधिकारी द्वारा गोपनीय प्रतिवेदन में अभिमत दर्ज करना-31 दिसंबर

दो माह में अभिमत दर्ज करेंगे रिपोर्टिंग अधिकारी

सीआर लिखने के लिए रिपोर्टिंग अधिकारी एवं स्वीकारकर्ता अधिकारी के लिए दो माह तथा समीक्षक अधिकारी के लिए एक माह की समय सीमा होगी। इसमें यह भी साफ किया गया है कि 31 दिसंबर के बाद दर्ज होने वाले प्रतिवेदन को समय बाधित माना जाएगा। अगर संबंधित अधिकारी कर्मचारी ने अपना स्व मूल्यांकन तय समय 30 जून तक प्रस्तुत नहीं किया है तो उसे भी समय बाधित माना जाएगा और इसकी सील प्रतिवेदन पर लगायी जाएगी। प्रतिवेदक अधिकारी भी अपना प्रतिवेदन बिना स्व मूल्यांकन कर लिखेंगे। यदि संबंधित अधिकारी अपना स्व मूल्यांकन कर दिया है परंतु उस पर किसी भी स्तर पर अभिमत 31 दिसंबर तक नहीं हो पाता है तो कोई भी टिप्पणी अभिलिखित नहीं की जा सकेगी और ऐसी स्थिति इन सभी स्तरों पर मूल्यांकन को समय बाधित माना जाएगा।

सीआर से संतुष्ट नहीं तो एक माह में दे सकेंगे अभ्यावेदन

ऐसे मामलों में संबंधित पदोन्नति समिति द्वारा अधिकारी कर्मचारी की सभी अभिलेख और संबंधित वर्ष की स्व मूल्यांकन के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने यह भी कहा है कि अगर संबंधित अधिकारी कर्मचारी अपनी सीआर से संतुष्ट नहीं है तो वह एक माह के भीतर अपना अभ्यावेदन प्रस्तुत कर सकेगा। अभ्यावेदन न प्रस्तुत करने की स्थिति में वार्षिक चरित्रावली अंतिम मान ली जाएगी। अगर गोपनीय प्रतिवेदन नहीं लिखने वाले प्रतिवेदक, समीक्षक, स्वीकारकर्ता अधिकारियों से विलंब के लिए उत्तरदायित्व निर्धारण किया जाकर संबंधित दोषी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी और उसके बाद अपने प्रतिवेदन में इसका उल्लेख किया जाएगा।

एमपी के 12 लाख कर्मचारी-पेंशनर्स को होगा फायदा

कर्मचारियों को मिलेंगे 4185 से 38070 रुपए, नवंबर के पहले मिलेगा DA का एरियर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश सरकार ने कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 3 फीसदी बढ़ा दिया है। इस फैसले से कर्मचारियों को 4,185 से लेकर 38,070 रुपए तक एरियर मिलेगा, वहीं उनकी सैलरी में हर महीने 465 से 4,230 रुपए तक की बढ़ोतरी तय मानी जा रही है। राज्य सरकार ने बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता अप्रैल के वेतन के साथ देने का निर्णय लिया है। हालांकि, मुख्यमंत्री के एलान के 15 दिन बाद भी वित्त विभाग ने अभी तक इसका आधिकारिक आदेश जारी नहीं किया है, जिससे कर्मचारी और अधिकारी इंतजार में हैं। इस फैसले का लाभ प्रदेश के करीब 12 लाख कर्मचारियों और पेंशनर्स को मिलेगा। इनमें लगभग 7.50 लाख कर्मचारी-अधिकारी और 4.50 लाख पेंशनर्स शामिल हैं। बढ़ोतरी के बाद कर्मचारियों को अब 58त्न महंगाई भत्ता मिलेगा, जो पहले 55त्न था। पेंशनर्स को भी इसी दर से महंगाई राहत दी जाएगी।

सरकार ने एरियर का भुगतान एक साथ करने के बजाय 6 समान किस्तों में मई से शुरू करने का फैसला किया है, जिससे नवंबर 2026 से पहले पूरी राशि दी जा सकेगी। इससे कर्मचारियों को चरणबद्ध तरीके से लाभ मिलेगा। हालांकि, पेंशनर्स को इस फैसले में नुकसान उठाना पड़ सकता है। सरकार ने उन्हें जुलाई 2025 से एरियर देने के बजाय 1 जनवरी 2026 से एरियर देने का निर्णय लिया है। इस पर कर्मचारी संगठनों ने नाराजगी जताते हुए पेंशनर्स को भी पूरा बकाया एरियर देने की मांग उठाई है। फिलहाल, सभी की नजरें वित्त विभाग के आदेश पर टिकी हैं, जिसके बाद ही बढ़े हुए DA और एरियर का लाभ मिलना शुरू होगा।

2 मार्च को सीएम ने किया था ऐलान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार 2 मार्च को राज्य के 12 लाख कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता और महंगाई राहत बढ़ाने की घोषणा की है। इसके दायरे में प्रदेश के 7.50 लाख कर्मचारी-अधिकारी और करीब 4.50 लाख पेंशनर्स आएंगे।

वित्त विभाग ने अभी आदेश जारी नहीं किए

प्रदेश के कर्मचारियों को अब तक 55 प्रतिशत DA मिल रहा था, जबकि केंद्र सरकार 58 प्रतिशत दे रही है। लंबे समय से केंद्र के समान महंगाई भत्ता देने की मांग की जा रही थी, जिस पर अब सरकार ने निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ यादव की घोषणा को 15 दिन हो चुके हैं पर वित्त विभाग अब तक महंगाई भत्ता और महंगाई राहत दिए जाने का आदेश जारी नहीं कर सका है। वित्त विभाग को सातवें वेतनमान के साथ छठवें और पांचवें वेतनमान पर दिए जाने वाले महंगाई भत्ते को लेकर भी आदेश जारी करना होंगे।

इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग में 1 अप्रैल से गेहूं खरीदी : खाद्य मंत्री

भोपाल । खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीदी इंदौर, उज्जैन, भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग में 1 अप्रैल से तथा शेष संभागों में 7 अप्रैल से की जाएगी। गेहूँ की खरीदी शासकीय कार्य दिवसों में सुबह 8 से रात 8 बजे तक की जाएगी। उन्होंने बताया है कि सरकार ने गेहूं खरीदी पर 40 रुपये अतिरिक्त बोनस देने का भी फैसला लिया है। अब प्रदेश में गेहूँ की खरीदी 2625 रुपए प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी। मंत्री राजपूत ने बताया है कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये कुल 19 लाख 4 हजार 651 किसानों ने पंजीयन कराया है। गत् वर्ष 15 लाख 44 हजार किसानों ने पंजीयन कराया था।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव

प्रदेश में टीकाकरण का आंकड़ा 1 लाख किशोरियों तक पहुंचा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। सर्विकल कैंसर से बचाव के लिए प्रदेश में 14 से 15 वर्ष की एक लाख किशोरियों को लगाया जा रहा एचपीवी रोधी वैक्सीन का आंकड़ा सोमवार को एक लाख का आंकड़ा छू गया। इस टीकाकरण में किसी राज्य का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। बता दें कि प्रदेश में 28 फरवरी से टीकाकरण की शुरुआत हुई थी। पहले एक सप्ताह अभिभावकों ने रुचि नहीं ली। इस कारण 16 हजार किशोरियों को ही टीका लग पाया था। इसके बाद स्कूलों के माध्यम से बच्चों और माता-पिता को समझाया गया हो गति तेज हुई। प्रदेश में 14 से 15 वर्ष की आयु वाली किशोरियों की संख्या आठ लाख है, जिन्हें यह टीका लगाया जाना है। जिला अस्पताल, सिविल अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में अस्पताल के समय पर टीका लगाया जा रहा है।

लक्ष्य के अनुसार सर्वाधिक टीकाकरण करने वाले शीर्ष 10 जिलों की बात करें तो बालाघाट 47 प्रतिशत के साथ सबसे ऊपर है। इसके बाद क्रमशः खरगोन, राजगढ़, मंडला, मुरैना, खंडवा, ग्वालियर, डिंडोरी, मंदसौर और कटनी शामिल हैं।

अभियान को प्रोत्साहित करने के लिए कर्मचारी कर रहे काम

विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अभी तक कहीं से टीकाकरण के प्रतिकूल प्रभाव की शिकायत नहीं आई हैं। स्कूल शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचायत विभाग और डाक्टरों के संगठन जैसे फाग्सी, आइएपी, आइएमए भी अभियान को प्रोत्साहित करने के लिए काम कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि हम सभी संबंधित विभागों के सहयोग के चलते ही प्रदेश में टीकाकरण की अच्छी स्थिति है।

2000 साल पुरानी परंपरा का पुनरुद्धार

गुड़ी पड़वा पर महाकाल मंदिर के शिखर पर फहरेगा ब्रह्म ध्वज

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा और गुड़ी पड़वा के अवसर पर गुरुवार को श्री महाकालेश्वर मंदिर के शिखर पर ब्रह्म ध्वज का आरोहण किया जाएगा। यह आयोजन लगातार दूसरे वर्ष किया जा रहा है। यह केवल ध्वजारोहण नहीं, बल्कि लगभग 2000 वर्ष पुरानी उस गौरवशाली परंपरा का पुनरुद्धार है, जिसकी शुरुआत सम्राट विक्रमादित्य के काल में हुई थी। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर इस परंपरा को फिर से भव्य रूप दिया जा रहा है। विक्रमादित्य द्वारा प्रारंभ किया गया विक्रम संवत और ब्रह्म ध्वज की परंपरा भारत की सांस्कृतिक श्रेष्ठता और गौरव का प्रतीक मानी जाती है।

विक्रमादित्य शोध संस्थान के निदेशक राम तिवारी के अनुसार ब्रह्म ध्वज शक्ति, साहस और चतुर्दिक विजय का प्रतीक है। केसरिया रंग के इस ध्वज की बनावट भी विशेष होती है। इसमें दो पताकाएं होती हैं, जो ध्वज के दोनों छोर पर स्थित रहती हैं। ध्वज के मध्य में सूर्य का चिन्ह अंकित होता है, जो तेज, ऊर्जा और विश्व विजय का प्रतीक माना जाता है। महिदपुर स्थित अश्विनी शोध संस्थान में आज भी वे प्राचीन मुद्राएं सुरक्षित हैं, जिन्हें सम्राट विक्रमादित्य ने इसी ब्रह्म ध्वज परंपरा को अमर बनाने के लिए जारी किया था।

सम्राट विक्रमादित्य के काल में उज्जैन अंतरराष्ट्रीय व्यापार का प्रमुख केंद्र माना जाता था। उस समय की मुद्राओं पर बने चिह्न बताते हैं कि उज्जैन को पृथ्वी का मध्य बिंदु माना जाता था। इन सिक्कों के एक पक्ष पर भगवान शिव सूर्यदंड लिए दिखाई देते हैं, जबकि दूसरे पक्ष पर प्लस (+) का चिन्ह बना होता है, जिसकी चारों भुजाओं पर गोले बने रहते हैं। यह प्रतीक दर्शाता है कि उज्जैन जल, थल और नभ तीनों मार्गों से विश्व से जुड़ा हुआ था।

65 वर्षों तक सुरक्षित रखा गया था ध्वज

शोधपीठ के निदेशक राम तिवारी ने बताया कि विक्रम संवत ज्ञान, संस्कृति, विज्ञान और अनुसंधान का महापर्व है। विक्रम संवत के अवसर पर ब्रह्म ध्वज विभिन्न स्थानों पर फहराया जाएगा। मध्यप्रदेश में मंदिरों, सार्वजनिक स्थलों और निजी स्थानों पर भी लोग स्वप्रेरणा से इस ध्वज को फहरा सकेंगे। उन्होंने बताया कि महाकालेश्वर मंदिर पर स्थापित यह ध्वज लंबे समय तक पंडित सूर्यनारायण व्यास के परिवार ने अपने पूजा स्थल पर लगभग 65 वर्ष तक सुरक्षित रखा था। उसी ध्वज से प्रेरणा लेकर वर्तमान ब्रह्म ध्वज का निर्माण किया गया है।

चुनाव आयोग ने ऑब्जर्वर तैनात किए

पांच राज्यों के विस चुनाव में एमपी के 40 आईएएस अधिकारियों की लगी ड्यूटी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

देश के विभिन्न राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनावों के लिए मध्य प्रदेश कैडर के 40 भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों को चुनावी जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन अधिकारियों को चुनाव आयोग द्वारा अलग-अलग राज्यों में प्रेक्षक (ऑब्जर्वर) के रूप में तैनात किया गया है। इससे प्रदेश सरकार के कई महत्वपूर्ण विभागों के कामकाज पर असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर भारत निर्वाचन आयोग ने प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में मध्य प्रदेश के कई वरिष्ठ और अनुभवी आईएएस अधिकारियों को चुनावी प्रक्रिया की निगरानी के लिए तैनात किया गया है। इन अधिकारियों की जिम्मेदारी चुनावी व्यवस्थाओं की समीक्षा करना, निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करना और प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर नजर रखना होगी।

जिन राज्यों में इन अधिकारियों को प्रेक्षक बनाया गया है, उनमें पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरला, पुडुचेरी और आसाम शामिल हैं। इन राज्यों में चुनावी प्रक्रिया के दौरान प्रशासनिक निगरानी को मजबूत करने के लिए अनुभवी अधिकारियों की तैनाती की गई है। मध्य प्रदेश से जिन अधिकारियों को यह जिम्मेदारी दी गई है, उनमें प्रमुख रूप से प्रमुख सचिव संदीप यादव, जॉन किंग्सले, श्रीमन शुक्ला, स्वतंत्र कुमार सिंह, शिल्पा गुप्ता, सिबी चक्रवर्ती, अजय कटसेरिया, निधि निवेदिता, रोहित सिंह और अनुराग वर्मा के नाम शामिल हैं।

चुनावी ड्यूटी निरस्त कराने में जुटे अधिकारी

सूत्रों के अनुसार सूची जारी होने के बाद कुछ अधिकारियों ने अपनी चुनावी ड्यूटी निरस्त कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी। हालांकि अंतिम निर्णय चुनाव आयोग के स्तर पर ही लिया जाएगा। वहीं, यह भी चर्चा है कि इनमें कई अधिकारी राज्य सरकार के महत्वपूर्ण विभागों में कार्यरत हैं। ऐसे में उनके चुनावी ड्यूटी पर जाने से विभागीय कामकाज की गति कुछ समय के लिए प्रभावित हो सकती है।

मेट्रो एंकर

क्षेत्रीय परामर्श बैठक में राज्यों के समन्वय और विशेष बच्चों के पुनर्वास पर मंथन, मंत्री बोलीं

दिव्यांग बच्चों को परिवार से जोड़ने व्यापक अभियान की जरूरत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

दिव्यांग बच्चों को संस्थाओं से निकालकर परिवार का स्नेह और सुरक्षित भविष्य दिलाने के उद्देश्य से क्षेत्रीय परामर्श बैठक रवीन्द्र भवन में हुई। महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के दत्तक ग्रहण को बढ़ावा देने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि समाज की संवेदनशीलता और सकारात्मक सोच से ही इन बच्चों को परिवार और बेहतर जीवन मिल सकता है। मंत्री भूरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिव्यांग शब्द देकर समाज में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में गैर संस्थागत पुनर्वास को प्राथमिकता दी जा रही है और मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना के माध्यम से स्पॉन्सरशिप तथा ऑफ्टर-केयर की व्यवस्था कर बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। भोपाल में आयोजित क्षेत्रीय परामर्श बैठक में सचिव महिला बाल विकास श्रीमती जी वी रश्मि , केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण की उप निदेशक श्रीमति ऋचा ओझा , उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा बाल संरक्षण के क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

मंत्री भूरिया ने कहा कि दिव्यांग बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए परिवार का स्नेह अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि कोई भी संस्था परिवार का स्थान नहीं ले सकती। सुश्री भूरिया ने कहा कि वर्ष 2024-25 के आंकड़ों के अनुसार देश में 4,155 बच्चों को गोद लिया गया, जिनमें केवल 7 प्रतिशत विशेष आवश्यकता वाले बच्चे थे और इनमें से भी अधिकांश बच्चों को विदेशी दम्पत्तियों ने अपनाया। यह स्थिति बताती है कि देश में दिव्यांग बच्चों के दत्तक ग्रहण के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से आईवीएफ जैसी तकनीक का प्रचार हो रहा है वैसा ही प्रभावी प्रचार दत्तक ग्रहण के लिये होना चाहिए। इसके लिये फोकस्ड एप्रोच के साथ निस्संतान दम्पतियों को परामर्श देना आवश्यक है। हमारे देश में ऐसे अनेक उदाहरण दिव्यांग बच्चे हैं जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्र चाहे वह खेल का मैदान हो, यूपीएससी में सफलता हासिल करना हो।

बेहतर भविष्य के लिए पुनर्वास पर जोर

केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण की उप निदेशक श्रीमती ऋचा ओझा ने कहा कि देशभर में क्षेत्रीय स्तर पर ऐसे परामर्श कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य विशेष बच्चों के दत्तक ग्रहण को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ की आबादी वाले देश में दत्तक ग्रहण का प्रतिशत अभी भी कम है, जिसे जागरूकता और नीति सुधारों के माध्यम से बढ़ाने की आवश्यकता है। श्रीमती ओझा ने बताया कि इस बैठक में 4 राज्यों के प्रतिनिधि दत्तक ग्रहण नीति से जुड़े मुद्दों, नवाचारों और भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा कर रहे हैं। ओझा ने कहा कि बैठक का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए परिवार आधारित पुनर्वास पर जोर देना है ।

डेटा की खामोश लूट

भारत के डिजिटल इकोसिस्टम में एक ऐसा बदलाव उभर रहा है, जो अभी सुर्खियों में भले न हो, लेकिन आने वाले समय में यह देश की तकनीकी संप्रभुता को गहराई से प्रभावित कर सकता है। हाल के महीनों में कई प्रमुख भारतीय डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर विदेशी स्रोतों से असामान्य ट्रैफिक बढ़ोतरी देखी गई है। यह सामान्य उपयोगकर्ता गतिविधि नहीं, बल्कि स्वचालित डेटा स्क्रैपिंग की एक सुनियोजित और औद्योगिक स्तर की प्रक्रिया का संकेत है। चिंताजनक यह है कि जब इन स्रोतों को ब्लॉक किया जाता है, तो वही ट्रैफिक नए रास्तों से लौट आता है- मानो यह एक सतत और संगठित अभियान हो। यह घटना हमें उस बड़ी सच्चाई की ओर इशारा करती है, जिसे हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की असली ताकत डेटा है। कंप्यूटिंग क्षमता और तकनीकी प्रतिभा महत्वपूर्ण जरूर हैं, लेकिन वे खरीदी जा सकती हैं। जो चीज खरीदी नहीं जा सकती, बल्कि लगातार इकट्ठा करनी पड़ती है, वह है विविध और विशाल डेटा। इसी मोर्चे पर भारत दुनिया के सबसे समृद्ध देशों में से एक है।

यूपीआई लेन-देन से लेकर आधार आधारित सेवाओं और बहुभाषी सामाजिक व्यवहार तक, भारत का डेटा भंडार अद्वितीय है। लेकिन सवाल यह है कि क्या हम इस संपदा की कीमत समझ रहे हैं? या फिर अनजाने में हम इसे वैश्विक एआई कंपनियों के लिए 'कच्चा माल' बनने दे रहे हैं? वैश्विक परिदृश्य साफ संकेत देता है कि एआई की दौड़ अब मॉडल बनाने से आगे बढ़कर डेटा नियंत्रण की लड़ाई बन चुकी है। जो देश अपने डेटा को सुरक्षित रखते हैं और उसी के आधार पर अपनी तकनीक विकसित करते हैं, वही भविष्य के डिजिटल शक्ति केंद्र बनेंगे। इसके विपरीत, जो देश विदेशी प्रणालियों पर निर्भर रहते हैं, वे धीरे-धीरे निर्णय लेने की अपनी क्षमता भी खो देते हैं। भारत की स्थिति विडंबनापूर्ण है। एक ओर हमारे पास 22 से अधिक भाषाओं और विविध सामाजिक संरचनाओं से उत्पन्न डेटा का अथाह भंडार है, दूसरी ओर हम अभी तक एक मजबूत स्वदेशी एआई फ्रेमवर्क खड़ा नहीं कर पाए हैं। परिणामस्वरूप, हमारी कंपनियां और सरकारी संस्थान बड़े पैमाने पर विदेशी एआई मॉडलों का उपयोग कर रहे हैं- अक्सर इसलिए क्योंकि वे सस्ते और सुलभ हैं। यहीं से समस्या शुरू होती है। सस्ती तकनीक का आकर्षण धीरे-धीरे एक ऐसी निर्भरता में बदल सकता है, जिससे बाहर निकलना मुश्किल होगा। जब पूरा डिजिटल इकोसिस्टम विदेशी एपीआई और प्लेटफॉर्म पर टिक जाएगा, तब विकल्प सीमित हो जाएंगे। यह केवल तकनीकी नहीं, बल्कि आर्थिक और भू-राजनीतिक जोखिम भी है।

युवाओं में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति आधुनिक समाज के लिए गंभीर चुनौती

किशन सनमुखदास भावनानी
स्तंभकार

वैश्विक स्तरपर 21वीं सदी को तकनीक, वैश्वीकरण और अभूतपूर्व अवसरों की सदी कहा जाता है।आज का युवा वर्ग,जिसे सामान्यतःज़ेन ज़ेड या नई पीढ़ी कहा जाता है,डिजिटल दुनियाँ के साथ पैदा हुआ है और उसी के साथ विकसित हुआ है।यह पीढ़ी तकनीकी रूप से सबसे अधिक सक्षम,सूचनाओं से भरपूर और वैश्विक अवसरों से जुड़ी हुई मानी जाती है।परंतु इस चमकदार आधुनिकता के पीछे एक बेहद चिंताजनक और दर्दनाक सच्चाई भी छिपी है, युवाओं में आत्महत्या के मामलों में लगातार वृद्धि।पिछले कुछ वर्षों में यह देखा गया है कि युवा वर्ग के बीच आत्महत्या की घटनाएँ अचानक बढ़ती जा रही हैं। यह केवल किसी एक देश या समाज की समस्या नहीं है, बल्कि एक वैश्विक सामाजिक संकट बन चुकी है।भारत सहित अनेक देशों में यह चिंता का विषय है कि जीवन के सबसे ऊर्जावान और संभावनाओं से भरे चरण में ही युवा इतने निराश और असहाय क्यों महसूस कर रहे हैं कि वे अपने जीवन का अंत करने जैसा कदम उठा लेते हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि ज़ेन ज़ेड (युवा पीढ़ी) में आत्महत्या के मामलों में अचानक इतना इजाफा क्यों? ज़ेड ज़ेन आत्महत्या करने के पहले सोचे कि क्या वे आत्महत्या करके पारिवारिक नैतिक और सामाजिक अपराधी तो नहीं बन रहे हैं? अपने माता-पिता को कितना कष्टदायक अति दुखी छोड़ कर जा रहे हैं? अपनी पत्नी छोटे बच्चों को कितना भयंकर दुख देकर जा रहे हैं? क्या परलोक में ईश्वर अल्लाह उन्हें क्षमा करेंगे? परलोक जाकर वे नरक यानें जहन्नुम में इसकी सजा भुगतांगे ? इन सवालों के जवाब ढूंढने जाएंगे तो वें आत्महत्या कर नहीं पाएंगे इसीलिए ऐसा जनजागरण शासन प्रशासन व समाज द्वारा करना अत्यंत जरूरी है तथा आत्महत्या के कारणों को खोज उनका समाधान ढूंढने की कोशिश की जानी चाहिए कि बच्चे टूट क्यों रहे हैं? इस सवाल क़ा जवाब ढूंढने जाएंगे तो वें आत्महत्या कर नहीं पाएंगे इसीलिए ऐसा जनजागरण शासन प्रशासन व समाज द्वारा करना अत्यंत जरूरी है,जब कोई युवा आत्महत्या करता है तो केवल एक जीवन समाप्त नहीं होता, बल्कि उसके साथ एक पूरा परिवार,अनेक सपने और अनगिनत भावनाएँ भी टूट जाती हैं माता-पिता, भाई- बहन,पत्नी और छोटे बच्चों के जीवन पर इसका गहरा और स्थायी प्रभाव पड़ता है। इसलिए आत्महत्या केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं बल्कि एक सामाजिक और नैतिक प्रश्न भी बन जाता है।आज की युवा पीढ़ी पर जीवन के कई प्रकार के दबाव एक साथ काम कर रहे हैं। शिक्षा, करियर,आर्थिक स्थिरता, सामाजिक प्रतिष्ठा और व्यक्तिगत संबंधों की जटिलताएँ युवाओं को सटीक मानसिक रूप से अत्यधिक दबाव में डाल देती हैं।

साथियों बात कर हम जब कोई व्यक्ति आत्महत्या करता है, उसकी पारिवारिक धार्मिक स्थिति की करें तो,उसके माता -पिता को जीवनभर का दुख और अपराधबोध झेलना पड़ता है। जिन माता-पिता ने अपने बच्चे को प्रेम और त्याग से बड़ा किया,उनके लिए यह आघात असहनीय होता है।यदि वह व्यक्ति विवाहित है और उसके छोटे बच्चे हैं,तो उनके जीवन पर इसका प्रभाव और भी गंभीर होता है।बच्चे अपने पिता या माता के बिना भावनात्मक और सामाजिक कठिनाइयों का सामना करते हैं।इस दृष्टि से देखा जाए तो आत्महत्या केवल एक व्यक्ति का निर्णय नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करने वाला कार्य है।दुनियाँ की लगभग सभी धार्मिक और आध्यात्मिक परंपराएँ जीवन को ईश्वर का अमूल्य उपहार मानती हैं। हिंदू, इस्लाम, ईसाई और अन्य धर्मों में आत्महत्या को सामान्यतः अनुचित या पापपूर्ण माना गया है।धार्मिक दृष्टिकोण यह संदेश देता है कि जीवन में चाहे कितनी भी कठिनाइयाँ क्यों न हों,उन्हें धैर्य,साहस और विश्वास के साथ सामना करना चाहिए।यदि युवा यह सोचें कि उनके इस कदम से उनके परिवार को कितना दुख होगा और क्या ईश्वर इस निर्णय को स्वीकार करेगा, तो संभव है कि वे अपने निर्णय पर बिलकुल पुनर्विचार करें।

साथियों बात अगर हम स्कूल कॉलेज के छात्रों द्वारा परिवार की अपेक्षा से आत्महत्या के दृष्टिकोण से देखें तो, स्कूल और कॉलेजों में प्रतिस्पर्धा इतनी तीव्र हो गई है कि कई बार विद्यार्थी पढ़ाई को सीखने की प्रक्रिया के बजाय एक मानसिक युद्ध की तरह अनुभव करने लगते हैं।परीक्षा में अच्छे अंक लाने, प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश पाने और सफल करियर बनाने का दबाव कई युवाओं के लिए असहनीय हो जाता है।इसके साथ ही परिवार की अपेक्षाएँ भी अक्सर युवाओं के लिए मानसिक बोझ बन जाती हैं। माता-पिता अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कल्पना करते हुए उनसे बड़ी-बड़ी उम्मीदें रखते हैं, लेकिन कई बार यह उम्मीदें बच्चों के मन में भय और असुरक्षा की भावना पैदा कर देती हैं।जब कोई युवा इन अपेक्षाओं को पूरा करने में असफल महसूस करता है, तो वह स्वयं को असफल, अयोग्य और समाज से अलग-थलग समझने लगता है। यही भावना धीरे-धीरे निराशा और अवसाद का रूप ले सकती है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि जीवन का मूल्य और आशा का संदेशयुवा किसी भी समाज की सबसे बड़ी शक्ति और भविष्य होते हैं।उनकी ऊर्जा, रचनात्मकता और सपने ही राष्ट्र के विकास की नींव बनाते हैं।यदि युवा निराशा और अवसाद के कारण अपना जीवन समाप्त करने लगें,तो यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए गंभीर चेतावनी है। आत्महत्या की समस्या का समाधान केवल उपदेश देने से नहीं बल्कि संवेदनशीलता, संवाद और सहयोग से संभव है। हमें युवाओं को यह विश्वास दिलाना होगा कि जीवन की हर कठिनाई का समाधान संभव है और कोई भी समस्या इतनी बड़ी नहीं होती कि उसके कारण जीवन समाप्त कर दिया जाए।जब परिवार, समाज और सरकार मिलकर युवाओं को सहारा देंगे,उनकी बात सुनेंगे और उन्हें आशा का मार्ग दिखाएंगे, तब ही हम इस गंभीर सामाजिक संकट को कम कर पाएंगे।जीवन अनमोल है, और हर युवा का जीवन केवल उसका नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज की अमूल्य धरोहर है। इसलिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी युवा अकेला, असहाय और निराश महसूस न करे।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

आपदा में अवसर खोजने की मानसिकता, हमारे समाज के लिए एक खतरनाक संकेत

कैलाश चन्द्र
स्तंभकार

मार्च 2026 के दूसरे सप्ताह से भारत में एलपीजी सिलिंडर की आपूर्ति और बुकिंग से जुड़ी चर्चा अचानक सुर्खियों में आ गई। देश के अनेक हिस्सों से गैस सिलिंडर की कमी, बुकिंग में देरी और डिलीवरी में व्यवधान जैसी खबरें तेजी से फैलने लगीं। सोशल मीडिया पर लोगों की चिंता देखकर यह विषय राष्ट्रीय चर्चा का केंद्र बन गया। कई उपभोक्ताओं ने आरोप लगाए कि सिलिंडर मिल नहीं रहे, डिलीवरी डेट आगे बढ़ रही है और एजेंसियों पर दबाव बढ़ चुका है। इसके विपरीत केंद्र और राज्य सरकारों ने बार-बार स्पष्ट किया कि देश में कोई वास्तविक कमी नहीं है, परंतु कुछ क्षेत्रों में अचानक बढ़ी मांग और डिमांड-सप्लाई असंतुलन से अस्थायी तनाव अवश्य देखा गया है। यही तनाव इस पूरी चर्चा की शुरुआत बना।

इन खबरों के बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह रहा कि अचानक ऐसी स्थिति क्यों बनी? इसे समझने के लिए एलपीजी बुकिंग और सप्लाई के वास्तविक आंकड़ों को देखना आवश्यक है। मार्च 2026 के आरंभ में रोज़ाना LPG बुकिंग 5.5 मिलियन के औसत स्तर से बढ़कर 7.6 मिलियन तक पहुँच गई। यह लगभग 35-40 प्रतिशत की उछाल थी, जिसे विशेषज्ञों ने 'पैनिक बुकिंग' की श्रेणी में रखा। कई शहरों में बुकिंग 2-3 गुना तक बढ़ गई। एक प्रमुख महानगर में केवल छह दिनों के भीतर 12 लाख से अधिक बुकिंग दर्ज होना इसकी तीव्रता का प्रमाण था। दूसरी ओर सरकार का दावा था कि घरेलू सिलिंडर की डिलीवरी 2-2.5 दिन के सामान्य समय में ही हो रही है, और राष्ट्रीय स्तर पर ऐसी कोई गंभीर समस्या नहीं है, जिसे कमी कहा जाए। इसका अर्थ यह था कि समस्या व्यापक राष्ट्रीय अभाव की नहीं, बल्कि कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में अचानक मांग बढ़ने और वितरण प्रणाली पर बने अस्थायी दबाव की थी।

इस पूरे परिदृश्य के पीछे जो वास्तविक कारण उभरकर सामने आए, वे कई स्तरों पर काम कर रहे थे। पहला और सबसे महत्वपूर्ण कारण अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीतिक तनाव था। मध्य-पूर्व में ईरान, इज़राइल और अमेरिका के मध्य बढ़ते संघर्ष के कारण स्ट्रेट ऑफ़ हॉर्मुज़ जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग प्रभावित हुए। वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से गुजरता है, इसलिए जहाजों में देरी, समुद्री बीमा लागत और जोखिम बढ़ने लगे। एलपीजी शिपमेंट का समय बढ़ा, जिससे भारतीय बंदरगाहों पर डिलीवरी शेड्यूल में भी देर हुई। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह था कि भारत आज भी LPG की अपनी कुल घरेलू आवश्यकता का लगभग 60-65% आयात करता है। अर्थात वैश्विक अस्थिरता का सीधा प्रभाव भारतीय उपभोक्ता तक पहुँच सकता है। बड़े आयातक देशों में तनाव, शिपमेंट विलंब, पोर्ट कंजेशन और बर्करिंग समय का बढ़ना, इन सभी का प्रभाव सीधे घरेलू सप्लाई चेन पर पड़ा। इसके अतिरिक्त ट्रकों की कमी, स्थानीय परिवहन में देरी, कुछ क्षेत्रों में सड़क मरम्मत या मौसम अवरोध जैसी घरेलू परिस्थिति ने भी दबाव बढ़ाया।

तीसरा कारण मीडिया और सोशल मीडिया के प्रभाव से उत्पन्न 'पैनिक बुकिंग' रहा। किसी भी संकट में यह मानवीय प्रतिक्रिया आमतौर पर देखी जाती है। जैसे ही कुछ उपभोक्ताओं ने देरी की बात साझा की, लोगों ने एक साथ अतिरिक्त सिलिंडर बुक करना शुरू कर दिया। कई परिवारों ने सुरक्षा कारणों से दो-तीन सिलिंडर अतिरिक्त बुक कर लिए। जबकि सामान्य परिस्थितियों में वे इतनी खपत नहीं करते। इस असामान्य मांग ने वितरण प्रणाली में तात्कालिक तनाव उत्पन्न किया और सामान्य चक्र बिगड़ गया। इन परिस्थितियों को देखते हुए सरकार और तेल विपणन कंपनियों ने कई त्वरित कदम उठाए। सबसे पहले रिफाइनरियों को निर्देश दिया गया कि वे अपनी प्रोपेन-ब्यूटेन स्ट्रीम्स को एलपीजी उत्पादन में परिवर्तित करें, ताकि घरेलू बाजार की जरूरतें तुरंत पूरी हों। इस निर्देश से घरेलू एलपीजी उत्पादन लगभग 25% तक बढ़ाने में सफलता मिली। इससे तत्काल राहत मिली और डोमेस्टिक सप्लाई बैलेंस मजबूत हुआ।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम यह था कि आवश्यक वस्तु अधिनियम के प्रावधानों के तहत घरेलू उपभोक्ता को प्राथमिकता देने और ब्लैक मार्केटिंग पर रोक लगाने की कार्रवाई शुरू की गई। वितरण प्रणाली में किसी भी प्रकार की जमाखोरी या कृत्रिम कमी की आशंका को खत्म किया गया। तीसरा कदम बुकिंग नियमों में संशोधन का था। पैनिक बुकिंग को रोकने के लिए बुकिंग गैप 25 दिन तक बढ़ाया गया। कुछ रिपोर्टों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में इसे 45 दिन तक भी बढ़ाया गया, जिससे बार-बार अनावश्यक बुकिंग रुक सके। इससे सिस्टम पर दबाव कम हुआ और जिन उपभोक्ताओं को वास्तव में सिलिंडर की जरूरत थी, उन्हें समय पर उपलब्धता सुनिश्चित की गई।

अंततः, मार्च 2026 में जिस तरह एलपीजी संकट की चर्चा शुरू हुई, वह देश में किसी स्थायी अभाव का संकेत नहीं था। यह स्थिति वैश्विक तनाव, अस्थायी लॉजिस्टिक बाधाओं और सबसे अधिक पैनिक बुकिंग के कारण उत्पन्न हुई थी। सरकार, कंपनियों और उपभोक्ताओं के संतुलित व्यवहार ने स्थिति को जल्द नियंत्रित किया। अतः इस सम्पूर्ण घटनाक्रम से यह स्पष्ट है कि भारत की ऊर्जा आपूर्ति प्रणाली चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी संयम और क्षमता दोनों रखती है। भविष्य की नीति ऊर्जा स्वतंत्रता, स्थायी आपूर्ति, आयात विविधीकरण और तकनीकी मजबूती की दिशा में और आगे बढ़ रही है। यह संकट एक चेतावनी अवश्य था, लेकिन साथ ही इसने यह भी सिद्ध किया कि भारत की ऊर्जा संरचना जितनी विशाल है, उतनी ही मजबूत भी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

ऑफिस सिटिंग से भी बीमार होती हैं हड्डियां... बचाव के उपाय भी हैं मौजूद

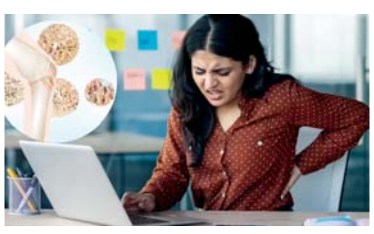

हड्डियों की समस्या से जुड़े कई मरीजों की परेशानी की असली जड़ उनका दफ्तर और काम होता है। सर्वाइकल स्पॉन्डिलोसिस, ऑस्टियोपोरोसिस, लम्बर स्पॉन्डिलोसिस, अकड़न और पोस्चर बैलेंस बिगड़ने की समस्या इन लोगों में सबसे आम होती है। इस स्थिति से बचने के लिए ब्रेक लेना, व्यायाम करना, सही डाइट लेना जैसी चीजें मददगार साबित हो सकती हैं।

मॉर्डन वर्क कल्चर में ज्यादातर जॉब्स 8 से 10 घंटे की सीटिंग वाले होते हैं। इस दौरान उनका मूवमेंट काफी कम होता है। देर तक बैठे रहने वाली लाइफस्टाइल, खराब पोस्चर, फिजिकल एक्टिविटी की कमी और वर्कस्टेशन के गलत एर्गोनॉमिक्स मिलकर हड्डियों की मजबूती कम करते हैं और रीढ़ की हड्डी, गर्दन व जोड़ों पर लगातार दबाव बढ़ाते जाते हैं।आमतौर पर लोगों को हल्की अकड़न के साथ इसके लक्षण महसूस होते हैं, लेकिन उसे इग्नोर करना उन्हें भारी पड़ जाता है और लंबे समय तक स्थिति बने रहने पर गंभीर परिणाम भुगतने पड़ते हैं। इस परिस्थिति में क्रोनिक मस्कुलोस्केलेटल प्रॉब्लम्स जन्म ले सकती हैं, जो फिजिकल और इमोशनल डिस्ट्रेस का कारण बनती हैं।

सर्वाइकल स्पॉन्डिलोसिस: कंप्यूटर या लैपटॉप स्क्रीन को देखते हुए लंबे समय तक काम करना या मोबाइल स्क्रीन टाइम हाई होना, गर्दन पर दबाव को बढ़ाता है। समय के साथ इससे सर्वाइकल स्पाइन खराब हो सकती है और गर्दन में दर्द,अकड़न के साथ ही सिरदर्द आपको परेशान कर सकते हैं। एक ही जगह बैठे रहना रीढ़ की हड्डी के निचले हिस्से पर सबसे ज्यादा दबाव डालता है। वीक कोर मसल्स और खराब पोस्चर इस स्थिति को और बिगाड़ते हैं। ये क्रोनिक बैक पेन को जन्म देता है। लैपटॉप और कंप्यूटर पर लंबे समय तक काम करने का मतलब है ज्यादा देर तक टाइपिंग और माउस का इस्तेमाल भी करना। इससे कंधे के जोड़ों पर जबरदस्त दबाव पड़ सकता है। जिसके चलते अकड़न, दर्द व चलने-फिरने तक में परेशानी आना शुरू हो सकती है।

अच्छी आदतों से फायदा : ऑफिस का काम तो छूट नहीं सकता है, ऐसे में कुछ बदलाव लाकर हड्डियों को हो सकने वाले नुकसान को रोकने की कोशिश की जा सकती है। बैठते समय बैक को सीधा रखें और पोजिशन ऐसे सेट करें कि कंधे रिलेक्स्ड रह सकें और आगे या ऊपर की तरफ न उठे रहें। गर्दन में खिंचाव से बचने के लिए कंप्यूटर स्क्रीन को आई लेवल पर सेट करें। काम के बीच में हर 30-40 मिनट पर थोड़ा ब्रेक लें। अपनी सीट से खड़े हों, स्ट्रेच करें और शॉर्ट वॉक लें। इस तरह के मूवमेंट से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और रीढ़ की हड्डी के दबाव में भी कमी आती है।

सुविचार

जिंदगी खुद को ढूंढने में नहीं बल्कि
जिंदगी तो खुद को बनाने में है।
-अज्ञात

निशाना

पाप क्या है पुण्य क्या..!

नीतिराज चौरे 'नीति'

क्या किया, किसी ने है, किसी को भी, नही पता,
पाप क्या है पुण्य क्या है, सबका अपना फैसला,
जिसने जैसा है किया, उसे सही स्वीकारता,
भूल जाते है सभी कि, वो हमे निहारता।
किसी को कोई, देता है, किसी से कोई, छीनता,
कोई कही से, पाता है, कही पे कोई खोजता,
लोभी देखो लोभ वश , अपनो को ही काटता,
भूल जाते, है सभी कि, वो हमे निहारता।
ज्ञान से कोई कही पे, ज्ञान को है बांटता,
कर्म से जो है प्रधान कर्म को, वो मानता,
धर्म की जो बात करता, पाप पुण्य विचारता,
भूल जाते, हैं सभी कि, वो हमे निहारता।
मरहम लगाता है कोई नमक है, कोई डालता,
भंवर में डूबते हुए को, कोई है निकालता
आलोचकों के मुंह पे ताला, वक्त ही तो डालता,
भूल जाते है सभी कि, वो हमे निहारता।

नॉलेज

शरीर की आंतरिक घड़ी की लय बिगड़ने से होता है जेट लेग, शरीर को ढलने में लगता है समय

इंटरनेशनल ट्रैवल करने वाले लोग अक्सर जेट लैग की शिकायत करते हैं। टाइम जोन पूरी तरह बदल जाने पर नेचुरल बॉडी रिदम बिगड़ जाती है और इस बदलाव से होने वाली दिक्कतों की स्थिति को जेट लैग कहा जाता है। फ्लाइट के दौरान बॉडी को हाइड्रेट रखने से इस कंडीशन में राहत मिल सकती है। ऐसे बहुत सारे टिप्स आपकी जेट लैग की समस्या को कम कर सकते हैं।

अधिकतर इंटरनेशनल ट्रैवलर्स के लिए यह समस्या कुछ दिन की होती है। इसमें ट्रैवलिंग के बाद कुछ दिन आपकी नींद, फोकस, मूड और पूरा स्वास्थ्य प्रभावित रहता है। ऐसा ट्रैवलिंग की स्टार्टिंग डेस्टिनेशन और एंडिंग डेस्टिनेशन के बिल्कुल उल्टे टाइम जोन से शरीर की आंतरिक घड़ी (सर्कार्डियन रिदम) की लय बिगड़ने से होता है। सर्कार्डियन रिदम शरीर के कई महत्वपूर्ण काम को रेगुलेट करती है, जैसे नींद, हॉर्मोन रिलीज, डायजेशन और शरीर का तापमान। जब व्यक्ति विभिन्न टाइम जोन में ट्रैवल करता है, तो शरीर शुरुआत में पहली लोकेशन के टाइम के मुताबिक काम कर रहा होता है। जिससे दिन-रात के नए टाइम और इंटरनल बायोलॉजिकल टाइमिंग में अंतर आ जाता है।

जेट लेग के लक्षण: जेट लैग का सबसे आम लक्षण रात में सोने में दिक्कत और दिन के वक्त नींद का एहसास होना है। कुछ लोगों को अत्यधिक थकान, चिड़चिड़ापन और फोकस करने में परेशानी, सिरदर्द और मेंटल अलर्टनेस में कमी झेलनी पड़ती है। कुछ ट्रैवलर्स को ट्रैवलिंग के कुछ दिन बाद तक रूटीन टास्क या काम में प्रोडक्टिव रहने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। यह आपके डायजेशन को भी प्रभावित करता है। इस वजह से लोग अक्सर भूख ना लगना, अपच की समस्या, ब्लोटिंग या पेट में हल्की दिक्कत की शिकायत करते हैं। कुछ लोगों में सामान्य शारीरिक हरारत, हल्का सिर घूमना और एंग्जायटी या लो मोटिवेशन जैसी मूड की समस्या हो सकती हैं।

जेट लैग से पूरी तरह छुटकारा पाना संभव नहीं है। लेकिन कुछ काम करके आप इसकी गंभीरता को कम कर सकते हैं और नए टाइम जोन में शरीर को जल्दी ढाल सकते हैं। सबसे प्रभावी तरीका ट्रैवलिंग से कुछ दिन पहले से ही अपने स्लीप शेड्यूल को धीरे-धीरे बदलना है। अगर आप ईस्ट की तरफ ट्रैवल करने वाले हैं तो हर रात थोड़ा जल्दी सोकर शरीर को तैयार कर सकते हैं। अगर वेस्ट की तरफ ट्रैवल करने वाले हैं तो हर रात थोड़ा देर से सोना चालू करें। फ्लाइट के दौरान हाइड्रेशन का ध्यान रखें। क्योंकि शरीर में पानी की कमी से जेट लैग में होने वाली थकान और सिरदर्द गंभीर हो जाता है। एयर ट्रैवलिंग के दौरान पर्याप्त पानी पीने और अत्यधिक कैफीन या ऐल्कोहॉल ना लेने की सलाह दी जाती है। नई जगह पहुंचने के बाद बॉडी क्लॉक को रिसेट करने के लिए सूरज की रोशनी बहुत कारगर है। धूप के संपर्क में आने से मेलाटोनिन प्रोडक्शन रेगुलेट होता है और शरीर को स्थानीय समय के मुताबिक जल्दी ढलने में मदद करता है।

अजब - गजब

दुनिया में पहली बार रोबोट गिरफ्तार, 70 साल की बुजुर्ग महिला से बदतमीजी का आरोप

चीन के मकाऊ में एक रोबोट को गिरफ्तार किए जाने का मामला सामने आया है। रोबोट पर 70 साल की बुजुर्ग महिला से बदतमीजी करने का आरोप था। इसके बाद पुलिस को रोबोट को हिरासत में लेना पड़ा। रिपोर्ट्स के अनुसार यह पूरा विवाद उस समय शुरू हुआ जब एक 70 साल की बुजुर्ग महिला ने एक रोबोट को अपने पीछे खड़ा देख उसे पागल तक करार दे दिया। यह मामला Unitree G1 मॉडल से जुड़ा है। इस पूरे हंगामे में महिला को किसी तरह की चोट नहीं आई है लेकिन पुलिस ने एहतियात के तौर पर उन्हें अस्पताल पहुंचाया।

चीन जैसे देश में रोबोट कोई नई चीज नहीं है लेकिन नया है रोबोट का गिरफ्तार होना। दरअसल मामला चीन के शहर मकाऊ का है, जहां एक 70 साल की बुजुर्ग महिला को परेशान करना एक रोबोट को भारी पड़ गया। घटना मकाऊ के पटाने इलाके की बताई जा रही है, जहां एक 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला सड़क किनारे अपना फोन चेक कर रही थीं, तभी एक Unitree G1 मॉडल का ह्यूमनाइड रोबोट उनके ठीक पीछे आकर रुक गया। महिला अपने पीछे रोबोट को देख अचानक घबरा गई। इसके बाद महिला चिल्लाने लगी और रोबोट भी समझ नहीं पाया कि करना क्या है? आखिर में पुलिस को दखल देना पड़ा।

इस घटना का वीडियो इंटरनेट पर खूब देखा जा रहा है। असल में यह पहली ऐसी घटना बन गई है जब किसी ह्यूमनॉइड रोबोट को गिरफ्तार किए जाने की बात की जा रही है। इंटरनेट पर कुछ यूजर्स ने पूरी घटना को मजाकिया बताया और कुछ ने सार्वजनिक स्थानों पर रोबोट्स की सुरक्षा और उनके नियमों को लेकर चिंता जताई। रिपोर्ट्स के मुताबिक पुलिस नें रोबोट के मालिक को भविष्य में रोबाट का इस्तेमाल करते समय सावधान रहने की हिदायत दी है। इसके बाद रोबोट को उसके मालिक को वापस कर दिया गया।

महिला के पीछे क्यों खड़ा था रोबोट: रिपोर्ट्स के मुताबिक यह घटना 4 फीट लंबे Unitree G1 से जुड़ी है। इस रोबोट को शिक्षा और प्रचार के लिए बनाया गया है। यह रोबोट एडवांस ऑब्स्टैकल अवॉइडेंस सिस्टम और कैमरे से लैस है। इसकी मदद से यह किसी से टकराए बिना रास्ता ढूंढ पाता है। जानकारों का कहना है कि रोबोट उस इलाके से निकलने के लिए महिला के रास्ते से हटने का इंतजार कर रहा था। हालांकि महिला को इसकी भनक नहीं थी और अचानक रोबोट को पीछे खड़ा देख वे घबरा गईं और सारा विवाद शुरू हुआ।

सिरोंज-लटेरी विधानसभा क्षेत्र को विधायक के प्रयासों से मिली बड़ी सौगात

एक करोड़ 29 लाख रुपए की लागत से बनेंगे 11 नवीन प्राथमिक शाला भवन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सिरोंज-लटेरी विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी सौगात मिली है। विधायक उमाकांत शर्मा के सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा विधानसभा अंतर्गत 11 प्राथमिक शाला भवनों के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। इन भवनों के निर्माण पर लगभग 1 करोड़ 29 लाख रुपये की राशि व्यय की जाएगी। स्वीकृति मिलते ही क्षेत्रवासियों में हर्ष का वातावरण व्याप्त है। विधायक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार

लटेरी तहसील अंतर्गत 6 प्राथमिक शाला भवनों के निर्माण हेतु प्रत्येक के लिए ?10,39,780 की राशि स्वीकृत की गई है। इनमें प्राथमिक शाला मदनखेड़ी, प्राथमिक शाला चंदाबंजारा, प्राथमिक शाला फिरोजगढ़, प्राथमिक शाला कोलूखेड़ी, प्राथमिक शाला कीलनखेड़ी, प्राथमिक शाला जालपुर शामिल है। इसी तरह सिरोंज तहसील अंतर्गत 5 विद्यालय भवनों को स्वीकृति दी गई है। इनमें प्राथमिक शाला बंजारा टपरा के लिया 17,88,500 प्राथमिक शाला हरिजन बस्ती के लिए 10,39,780, प्राथमिक शाला भूरी टोरी के लिए भी 10,39,780, प्राथमिक शाला ईटनपुरा के लिए 10,39,780 और प्राथमिक शाला बिसनपुर के लिए कुल 17 लाख 88500 रुपए स्वीकृत हुए है। उल्लेखनीय है कि इन विद्यालयों में पूर्व में भवन उपलब्ध नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को अत्यंत कठिन परिस्थितियों में पढ़ाई करनी पड़ती थी। कई स्थानों पर कक्षाएं खुले में, यहां तक कि पेड़ों के नीचे संचालित की जा रही थीं। बरसात, गर्मी और सर्दी के मौसम में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। पर्याप्त कक्ष कक्षाओं के अभाव में शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। नवीन भवनों के निर्माण से अब बच्चों को सुरक्षित, व्यवस्थित एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध होगा। इससे न केवल पढ़ाई की गुणवत्ता में सुधार आएगा, बल्कि विद्यार्थियों की उपस्थिति और उत्साह में भी वृद्धि होगी। क्षेत्रवासियों ने इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के लिए विधायक उमाकांत शर्मा, प्रदेश के शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह एवं मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है।

रेलवे स्टेशन पर आठ साल की बच्ची ट्रेन से टकराई, हालत गंभीर

संदिग्ध घटना मानकर हो रही जांच

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को एक दिल दहला देने वाली घटना में कृषि विभाग की क्लर्क अंजू राजपूत की 8 साल की बेटी युविका ट्रेन से टकरा गई। बच्ची की हालत गंभीर होने पर परिजनों ने रात में उसे भोपाल के बंसल अस्पताल ले गए। जीआरपी पुलिस मामले को संदिग्ध मानकर गहन जांच कर रही है, जिसमें बच्ची को ट्रेन के सामने फेंकने की चर्चा भी सामने आ रही है।घटना स्टेशन के ग्वालटोली तरफ हुई, जहां तमिलनाडु एक्सप्रेस गुजर रही थी।

जीआरपी थाना प्रभारी इटारसी एसके चौकसे ने बताया कि मां अंजू ने पूछताछ में कहा कि वह अक्सर बच्ची को ट्रेन दिखाने स्टेशन ले जाती थी। मंगलवार को भी यही किया, लेकिन पैर फिसलने से बच्ची ट्रेन से टकरा गई। बच्ची को पहले जिला अस्पताल के आईसीयू में भर्ती किया गया, जहां हालत नाजुक देख परिजन भोपाल रवाना हो गए। अंजू राजपूत के पति खुमानसिंह राजपूत की कुछ समय पहले एक एक्सीडेंट में मौत हो गई थी। इसके बाद अंजू को अनुकंपा पर कृषि विभाग में क्लर्क की नौकरी मिली। युविका उनकी इकलौती संतान है। अंजू की मां उमा राजपूत ने बताया कि बेटे के निधन के बाद परिवार मुश्किलों से जूझ रहा था।

मां के बयान पर जांच का फोकस

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है और मां के बयान के बाद ही सच्चाई सामने आएगी। जीआरपी ने मामले को संदिग्ध रखते हुए सभी पहलुओं पर पड़ताल शुरू कर दी है।

माया नारोलिया ने राज्यसभा में उठाया इटारसी नहर पुल का मुद्दा, 20 दिनों में हो चुकीं चार मौतें

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान मध्य प्रदेश की सांसद माया नारोलिया ने नर्मदापुरम जिले के इटारसी क्षेत्र के पथरौटा नहर पुल की बदहाल स्थिति और लगातार हो रही दुर्घटनाओं का गंभीर मुद्दा उठाया। उन्होंने सदन को बताया कि पिछले 20 दिनों में इस पुल पर चार लोगों की मौत हो चुकी है, जो प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा है। राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने शून्यकाल में नर्मदापुरम जिले के इटारसी के पास पथरौटा नहर पुल की खराब स्थिति को जनहित का तात्कालिक मुद्दा बताते हुए सदन का ध्यान आकृष्ट किया। उन्होंने कहा कि पुल की रेलिंग टूट चुकी है, जिससे नहर की

ओर खुला खतरनाक किनारा बन गया है। रात में स्ट्रीट लाइटिंग की कमी से दृश्यता न के बराबर है, जबकि चेतावनी संकेतक, रिफ्लेक्टर, बैरिकेटिंग, सड़क चिह्नांकन और गति नियंत्रण जैसी सुरक्षा व्यवस्थाएं पूरी तरह अनुपस्थित हैं।सांसद ने बताया कि इस व्यस्त मार्ग से रोजाना हजारों वाहन, जिसमें स्कूल बसें, एम्बुलेंस और व्यावसायिक वाहन शामिल हैं, गुजरते हैं। कई हादसों के बावजूद विभागों ने केवल अस्थायी उपाय किए हैं, जबकि आगामी मेलों-त्योहारों से यातायात और बढ़ेगा, जो जोखिम को दोगुना कर देगा।श्रीमती नारोलिया ने सरकार से मांग की कि तत्काल निर्देश जारी कर पुल की रेलिंग की मरम्मत व मजबूतीकरण, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, चेतावनी संकेतक-रिफ्लेक्टर लगाना, बैरिकेटिंग और यातायात नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, पूरे क्षेत्र का सड़क सुरक्षा ऑडिट कराया जाए, लापरवाहों पर कार्रवाई हो और कार्यों की समयसीमा के साथ अनुपालन रिपोर्ट सदन में पेश की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं रुकें।

महायज्ञ और भंडारे की तैयारी के लिए व्यवस्था संबंधी बैठक हुई

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

महामाई दरबार में चैत्र प्रतिपदा गुरुवार से शुरू होने वाले महायज्ञ एवं 28 मार्च को होने वाले भंडारे की तैयारी से संबंधित बैठक महामाई की पूजन उपरांत मंगलवार शाम को मंदिर परिसर में रखी गई । महामाई मेले में बढ़ती भीड़ और कार्यक्रमों की निरंतरता को देखते हुए विधायक एवं समिति के संरक्षक उमाकांत शर्मा ने समिति सदस्यों की बैठक आयोजित की जिसमें मंदिर एवं मेले की सुरक्षा स्वच्छता आवागमन के साथ ही 28 मार्च को होने वाले भंडारे की व्यवस्था पर विस्तार से विचार विमर्श हुआ।

बैठक में प्रधान पुजारी पंडित नलिनीकांत शर्मा ने माता महामाई की महिमा के साथ ही आशीष वचन दिया। लक्ष्मण सिंह बघेल लटेरी, संतोष चौरे ने भी संबोधित किया। बैठक का संचालन रमेश यादव और आभार राजेश यादव लटेरी द्वारा किया गया। माता के दरबार में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में आज कलश यात्रा के साथ ही रात्रि में धन्य धन्य बुंदेल खंड की प्रस्तुति होगी ।

19 से शुरू होगा श्री विद्या शतचंडी महायज्ञ: 19 मार्च से महामाई माता के दरबार में चैत्र नवरात्र की धूम शुरू हो जाएगी। माता के दरबार में 10 दिवसीय विद्या शतचंडी दुर्गा महायज्ञ शुरू होगा। 22 मार्च को स्वस्ति मेहुल की टीम द्वारा विशाल भगवती जागरण होगा। 24 को मोहित शवानी की टीम 25 को राष्ट्र सर्वोपरि संकल्प व साधना के 100 वर्ष की प्रस्तुति देगी। 28 मार्च को महायज्ञ की पूर्णाहुति के अवसर पर कन्या भोज और भंडारा होगा। इस अवसर शाम को बृज की होली और रात्रि में रामलीला के समापन पर रावण दहन कार्यक्रम भी होगा।

नरवाई जलाने पर पहली एफआईआर, किसान को भेजा जेल

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो। जिले में नरवाई जलाने पर पहली बार एफआईआर दर्ज हुई। शिवपुर भिलाड़िया-चन्द्रपुरा रोड पर किसान मोरसिंह कुशवाह ने अपने खेत में फसल अवशेषों में आग लगा दी, जिससे आसपास के खेतों में खड़ी गेहूं की फसल को खतरा हो गया। फरियादी शिवकुमार यादव ने बताया कि सुबह करीब 9 बजे मोरसिंह ने नरवाई जलाई, तो लपटें उठने लगीं। पड़ोसी किसान केशव यादव, जितेंद्र यादव, राधेश्याम और शेखर यादव के खेतों में पकी फसल खड़ी थी।किसानों ने मोरसिंह को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह भड़क गया। गालियां देते हुए बोला, यह मेरा खेत है, मैं जरूर जलाऊंगा और बीच में आने पर जान से मारने की धमकी दी। तुरंत फायर टैंकर बुलाकर आग पर काबू पाया गया, वरना कई खेतों की फसल राख हो जाती और भारी नुकसान होता। थाना प्रभारी विवेक यादव ने मोरसिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे जेल भेज दिया।

प्राचीन गिरधारी मंदिर में हुआ ब्राह्मण भोज का आयोजन

सिरोंज। हिंदू सनातन परंपरा में ब्राह्मण भोज का विलक्षण महत्व है। नगर में इस परंपरा का आरंभ संत सिया रामबाबा ने किया था। अग्रवाल बंधु इसका पूर्णतः पालन करते है कभी समिति द्वारा तो कभी व्यक्तिगत यह कार्यक्रम होते हैं ऐसा ही एक आयोजन राधावल्लभ रामबाबू गोयल घी वालों द्वारा प्राचीन श्री गिरधारी जी एवं अग्रसेन मंदिर के जागृत दरबार में पूर्वजों के निमित्त तथा नवसंवत्सर शुभ आगमन अवसर पर नगर ब्राह्मण का आयोजन किया गया जिसमें नगर और आसपास के विप्रजन शामिल हुए ठाकुर के दर्शन कर प्रसादी ग्रहण की। संपूर्ण मंदिर की सजावट की गयी सुबह ठाकुर जी का अभिषेक तथा सायं आरती कर ठाकुर जी को भोग अर्पण किया तत्पश्चात ब्राह्मण भोज प्रारंभ हुआ जिसमें परिजनों ने सेवा कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

महामाई दरबार में थिरके बृज के कलाकार

सिरोंज। महामाई मंदिर प्रांगण में चल रहे लोकोत्सव में ब्रज के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। उत्तर प्रदेश के वृंदावन से आए ब्रज दर्शन फोक ग्रुप के 12 सदस्यीय दल ने ब्रज की संस्कृति के विभिन्न रंग बिखेरे। कार्यक्रम की शुरुआत महामाई माता की पूजा के साथ हुई। सबसे पहले सबसे निराला ब्रज धाम दर्शन कर लेयो जी नृत्य गीत प्रस्तुत किया गया। इसके बाद वृंदावन में प्रकट हुए सात ठाकुरों, जिनमें मदन मोहन, गोविंद देव और राधारमण जी शामिल हैं, की महिमा का बखान श्यामा हृदय कमल सो प्रकटो, श्यामा हृदय को भायो प्यारो वृंदावन भजन के माध्यम से किया गया। इस दौरान कलाकारों ने जरी की पगड़ी बांधे सुंदर आंखों वाला, कितना सुंदर लागे बिहारी कितना लागे प्यारा और कन्हैया से कह दो दर पे सुदामा गरीब आ गया है जैसे प्रसिद्ध भजनों पर भी मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए। मंचीय प्रस्तुति के दौरान महामाई सेवा समिति के सदस्य भी कलाकारों के साथ थिरकते नजर आए।

मेट्रो एंकर अखिल भारतीय कुर्मी पाटीदार महासभा की यात्रा की शुरुआत गुजरात से हुई

सरदार एकता यात्रा का इटारसी में भव्य स्वागत

नर्मदापुरम/इटारसी, दोपहर मेट्रो

'जय सरदार, सबके सरदार' के नारों के साथ सरदार एकता यात्रा मंगलवार शाम को इटारसी पहुंची। यहां स्थानीय कुर्मी समाज के पदाधिकारियों और अन्य समाज के लोगों ने यात्रा का भव्य स्वागत किया।

अखिल भारतीय कुर्मी पाटीदार महासभा द्वारा आयोजित सरदार एकता यात्रा गुजरात से शुरू हुई है। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर निकाली जा रही इस सरदार एकता यात्रा का संकल्प है सरदार सबके सरदार–आपके द्वार। इसका उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ना और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करना है। यात्रा की शुरुआत गुजरात से हुई थी। यह मध्य प्रदेश के झाबुआ, रतलाम और मंदसौर जैसे कई जिलों में जनसंपर्क करते हुए आगे बढ़ी। मंगलवार को यात्रा नर्मदापुरम जिले में पहुंची, जहां विभिन्न सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने

इसका स्वागत किया।महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और सरदार एकता यात्रा (रथ यात्रा) संयोजक मनुभाई पटेल ने बताया कि गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल ने यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है। उन्होंने कहा कि यात्रा का उद्देश्य सरदार पटेल के एकता, राष्ट्रभक्ति और सेवा के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना है। इस रथ यात्रा में सरदार पटेल के जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंग, तस्वीरें एवं स्मृति चिन्हों की प्रदर्शनी भी लगाई गई है। रथ में सरदार वल्लभभाई पटेल की एक बड़ी सी प्रतिमा भी स्थापित है।

नर्मदापुरम जिले के इटारसी में मंगलवार दोपहर 3 बजे पथरोटा (पुराना स्कूल) के पास यात्रा का स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके बाद दोपहर 3-30 बजे पुरानी इटारसी स्थित सुदामा मैरिज हॉल के समीप समाजजन यात्रा के अभिनंदन के लिए एकत्रित हुए।शाम 5 बजे इटारसी के जयस्तंभ चौक पर चौरिया कुर्मी समाज महासंघ द्वारा यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान पुष्प वर्षा की गई और नारे लगाए गए। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य बाबू विजय चौधरी, पूर्व पार्षद कुलदीप रावत, पार्षद शिवकिशोर रावत, नवीन पटेल, बलराम पटेल, बृजमोहन चौधरी, सरपंच नवल पटेल,पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष कुशल पटेल और चंदगोपाल मलैया,राकेश पटेल, मुकेश चौधरी सहित कई समाजसेवी मौजूद थे। स्थानीय सामाजिक बन्धुओं ने यात्रा पर पुष्प वर्षा कर प्रेम और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। यात्रा का समापन जबलपुर में होगा।

अमानक पॉलिथिन का उपयोग करते पाए जाने पर नपा ने किया 11 सौ का जुर्माना

नर्मदापुरम। अमानक पालिथिन प्रतिबंधित होने के बावजूद उपयोग कर रहे सब्जी, फल विक्रेताओं पर नगरपालिका द्वारा कार्रवाई की जा रही है। 10 ठेले वालों पर कार्रवाई कर 1100 रुपए का जुर्माना किया गया। प्रभारी अधिकारी स्वच्छता एवं उपयंत्री दीक्षा तिवारी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर प्रतिबंधित पालिथिन का उपयोग करने वालों को समझाइश दी जा रही है। साथ ही उन्हें पालिथिन से होने वाले पर्यावरण संबंधी नुकसान की भी जानकारी दी जा रही है। इसके बावजूद नहीं मानने वालों पर जुर्माने की जा रही है। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने नगर के समस्त फल विक्रेता, सब्जी विक्रेता सहित अन्य सामग्री विक्रेताओं से आग्रह किया है कि वे नगर हित में अमानक पालिथिन का उपयोग बंद कर दें। इससे न केवल पर्यावरण को नुकसान होता है बल्कि यह मानव जीवन के लिए भी यह घातक है।

न्यूज विंडो

आध्यात्मिक प्रवचन महोत्सव पर निकली भव्य कलश यात्रा

गंजबासौदा। नौ देवी पिपलेश्वर महादेव मंदिर की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मंदिर समिति द्वारा रजत जयंती समारोह के अंतर्गत सप्त दिवसीय आध्यात्मिक प्रवचन महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर परम पूज्य कृष्णा मां के श्रीमुख से आध्यात्मिक प्रवचनों का लाभ श्रद्धालुओं को मिलेगा। महोत्सव के शुभारंभ पर हनुमान मंदिर, भावसार पुलिया बरेठ रोड से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यह यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कथा स्थल तक पहुंची। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं, कृष्णा मां के भक्तों एवं धर्मप्रेमी नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर कलश यात्रा का स्वागत किया। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने पीले वस्त्र धारण कर सिर पर कलश रखकर सहभागिता की। यात्रा के दौरान महिलाएं भक्ति गीतों पर नृत्य करती हुई दिखाई दीं, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। मार्ग में जगह-जगह कलश यात्रियों के लिए शीतल जल, एवं लस्सी की व्यवस्था कर स्वागत किया गया तथा पुष्प वर्षा कर सम्मान किया गया। आध्यात्मिक प्रवचन महोत्सव की कलश यात्रा एवं प्रथम दिवस के मुख्य यजमान कल्पना एवं वीरेंद्र सिंह रघुवंशी रहे। मंदिर समिति के अध्यक्ष संतोष शर्मा ने बताया कि प्रतिदिन कथा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी।

मध्यस्थता से सुलझ सकते हैं विवाद, समय और धन दोनों की होती है बचत

गंजबासौदा। तहसील विधिक सेवा समिति के तत्वाधान में मंगलवार को ग्राम अजीतपुर, ग्राम पंचायत रवरयाई में मध्यस्थता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में तृतीय व्यवहार न्यायाधीश (कनिष्ठ खंड) एवं न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी आफरीन यूसुफजई मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों को मध्यस्थता की प्रक्रिया एवं उसके महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि मध्यस्थता के माध्यम से पक्षकार आपसी संवाद और सहमति से अपने विवादों का शांतिपूर्ण समाधान निकाल सकते हैं। साथ ही यह भी बताया गया कि इस प्रक्रिया से समय और धन दोनों की बचत होती है तथा आपसी संबंध भी बेहतर बने रहते हैं। जागरूकता कार्यक्रम में यह भी जानकारी दी गई कि मध्यस्थता के माध्यम से वैवाहिक विवाद, धन वसूली, किरायेदारी विवाद, मोटर दुर्घटना प्रकरण, चेक अनादरण सहित अन्य मामलों का कम खर्च में त्वरित निराकरण संभव है। इस अवसर पर एडवोकेट पल्लवी श्रीवास्तव, एडवोकेट राजेश सक्सेना, पैरालीगल वालेंटियर्स सुनील राजपूत, सौरभ कुशवाह, ग्राम पंचायत सचिव देवीसिंह रघुवंशी, सह सचिव महेंद्र रघुवंशी, सरपंच जितेंद्र दुबे, प्रधान अध्यापिका सुषमा यामिनक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

3 स्थानों पर होगी ईद की विशेष नमाज

मंडीदीप। औद्योगिक शहर मंडीदीप में ईद-उल-फितर की विशेष नमाज ईदगाह सहित तीन अलग-अलग स्थानों पर अदा की जाएगी। मुस्लिम त्योहार कमेटी के सदर हाजी1अल्ताफ खान ने बताया कि हाल ही में मोहम्मदी मस्जिद में शहर के प्रबुद्ध नागरिकों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया।

निर्णय के अनुसार ईद की पहली नमाज सुबह 8 बजे ईदगाह में हाफिज मुती उरेहमान अदा कराएंगे। इसके बाद सुबह 8.30 बजे ईदगाह मस्जिद में हाफिज नसरुद्दीन खान नमाज पढ़ाएंगे, जबकि सुबह 9 बजे मोहम्मदी मस्जिद में हाफिज मंजूर ईद की नमाज अदा कराएंगे। बैठक में युवाओं की विभिन्न समितियां बनाकर पार्किंग, यातायात व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में हाजी चंदू भाई, हाजी अब्दुल रहीम खान, हाजी इम्तियाज हुसैन, अतीक अहमद,हाजी रमजान खान, हाजी नफीस भाई, सरफराज खान, सलमान अली राशिद अली,रज़ा खान सहित समाज के कई प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

सिटी मजिस्ट्रेट ने ली रेस्टोरेंट, होटल और गार्डन संचालकों की बैठक

नर्मदापुरम। कलेक्टर के निर्देश पर सिटी मजिस्ट्रेट देवेंद्र प्रताप सिंह द्वारा रेस्टोरेंट, होटल और गार्डन संचालकों की बैठक का आयोजन नगरपालिका सभाकक्ष में किया गया। बैठक में विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले, कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी सहित गार्डन, रेस्टोरेंट और होटल संचालक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यालय अधीक्षक श्री सोनी ने बताया कि सिटी मजिस्ट्रेट श्री सिंह द्वारा रेस्टोरेंट, होटल और गार्डन संचालकों को निर्देश दिए गए कि किसी भी परिस्थिति में घरेलू गैस टंकी का उपयोग न करें। इसके स्थान पर अन्य वैकल्पिक जैसे लकड़ी या फिर कोयले की भट्ठी का उपयोग करें। बैठक के दौरान उन्होंने रेस्टोरेंट, होटल और गार्डन संचालकों से सुझाव भी लिए। रेस्टोरेंट संचालकों ने अपने अपने स्तर पर सुझाव भी दिए और प्रशासन को सहयोग करने की बात कही।

न्यूज विंडो

तेंदूखेड़ा में प्रस्तावित मदिरा दुकान के स्थानांतरण का रहवासियों द्वारा कड़ा विरोध

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो। नगर वार्ड क्रमांक 11 एवं 12 के समस्त रहवासियों ने प्रस्तावित मदिरा दुकान 'ए' को वर्तमान स्थान से हटाकर नायरा पेट्रोल पंप से ग्राम चौरई की सीमा तक स्थानांतरित किए जाने के प्रस्ताव पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। इस संबंध में रहवासियों द्वारा अनुविभागीय अधिकारी को को ज्ञापन के माध्यम से औपचारिक आपत्ति प्रस्तुत की गई है। इस ज्ञापन को अनुविभागीय अधिकारी के नाम तहसीलदार विवेक व्यास को सोपा गया है जिसमें उल्लेख किया है कि उन्हें जानकारी प्राप्त हुई है कि मदिरा दुकान को नायरा पेट्रोल पंप के समीप मुख्य मार्ग पर खोलने का प्रयास किया जा रहा है, जो कि घनी आबादी वाले क्षेत्र के अंतर्गत आता है। इस मार्ग पर बड़ी संख्या में परिवार निवास करते हैं, जिनमें छोटे बच्चे, महिलाएं एवं बुजुर्ग शामिल हैं। ऐसी स्थिति में मदिरा दुकान के संचालन से क्षेत्र में असामाजिक गतिविधियों की आशंका बढ़ सकती है, जिससे आमजन की सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था प्रभावित होने का खतरा बना रहेगा। स्थानीय निवासियों ने यह भी बताया कि यह मार्ग स्कूल आने-जाने वाले बच्चों के लिए प्रमुख रास्ता है, जहां स्थित श्री शिव शिशु हाई स्कूल के विद्यार्थी प्रतिदिन आवागमन करते हैं। ऐसे में मदिरा दुकान की उपस्थिति बच्चों के मानसिक एवं सामाजिक वातावरण पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। इसके अतिरिक्त, महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर चिंताएं व्यक्त की गई हैं। वार्ड क्रमांक 12 के पार्षद दिव्या साहू सहित समस्त नागरिकों ने एकमत होकर इस प्रस्ताव का विरोध किया है और प्रशासन से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए इस निर्णय पर पुनर्विचार किया जाए। रहवासियों का कहना है कि विकास के नाम पर इस प्रकार के निर्णय स्थानीय सामाजिक ताने-बाने को कमजोर कर सकते हैं, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। सैकड़ो रहवासियों ने इस मुद्दे पर एकजुट होकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई है और प्रशासन से आग्रह किया है कि मदिरा दुकान को आबादी से दूर किसी उपयुक्त स्थान पर ही स्थापित किया जाए। अंत में, समस्त वार्डवासी एवं जनप्रतिनिधियों, पार्षद क्रमांक 11 दिव्या साहू एवं शिव शिशु हाई स्कूल ने प्रशासन से अपेक्षा जताई है कि उनकी भावनाओं एवं सुरक्षा संबंधी चिंताओं को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

तेंदूखेड़ा जामा मस्जिद में माहे रमज़ान के 26वे रोज़े 27 बी शब को मनाया

शब-ऐ-कद्र हाफिज व कारी खालिद रजा साहब ने तराबीह में मुकम्मल किया कुरआन

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो। मुसलमानों के लिए रमजान का महीना बहुत ही पवित्र माना जाता है रहमतों बरकतों का महीना है रमजान 11 महीनों की इबादत एक तरफ रमजान की इबादत एक तरफ लेकिन रमजान के महीने में एक दिन ऐसा अभी है जो सबसे अफजल है वह है शब-ए-क़द्र की रात जिसमें लोग अपने रब को मनाने के लिए रात में जाग कर नमाज पढ़ते हैं और अपने गुनाहों की माफी अपने रब से मांगते हैं इसमें ऐसी मान्यता है कि जिसे शबे कद्र की रात मिली और वह रात में जाग कर नमाज़े पड़ी और गुनाहों की माफी मांगी तो उसके 70 -80 साल के गुनाह रब माफ कर देगा तेंदूखेड़ा की जामा मस्जिद में रमजान के महीने में चांद दिखते ही तराबीह की 20 रकात नमाज़ हाफिज खालिद रज़ा साहब के द्वारा पढ़ाई गई ओर 27 दिनों में पूरा क़ुरआन सुनाया गया इसी सिलसिले में मीलाद शरीफ का प्रोग्राम रखा गया जिसमे सभी ने नात-ऐ-पाक में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया हाफिज ख़ालिद रज़ा ने अपनी तकरीर में शब-ऐ-क़द्र की फ़ज़ीलत बया की ओर आखिर में सलातो सलाम के बाद लोग अपने रब को मनाने ने रात भर इबादत करते रहे ओर नमाज़े पड़ते रहे साथ ही अमन चैन तरक्की की दुआएं मांगी।

15 वर्षों से फरार 30,000 रुपए का इनामी स्थाई वारंटी पुलिस के शिकंजे में

आरोपी अब्दुल जयपुर में मदनलाल बनकर रह रहा था, पुलिस ने सलीम बनकर किया गिरफ्तार

सागर। दोपहर मेट्रो

15 साल से फ़रार 30 हजार के इनामी वारंटी को पुलिस ने राजस्थान जयपुर से दबोचा है। आरोपी अब्दुल जयपुर में मदनलाल बनकर रह रहा था जिसे पुलिस ने सलीम बनकर गिरफ्तार किया है।

फ़रार आरोपियों को पकडने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना गोपालगंज पुलिस को यह बड़ी और उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। मिली जानकारी के अनुसार

वर्ष 2011 से फरार एवं पुलिस महानिरीक्षक द्वारा ? 30,000 के इनाम से घोषित स्थाई वारंटी आरोपी अब्दुल राशिद पिता अब्दुल वाहिद, निवासी शनिचरी चौगना, थाना गोपालगंज को पुलिस टीम द्वारा जयपुर (राजस्थान) से गिरफ्तार किया गया है।

जयपुर में भेष बदलकर निगरानी और सटीक घेराबंदी कर पकड़ा

हत्या के प्रकरण का आरोपी, वर्षों से पुलिस को दे रहा था चकमा

आरोपी पूर्व में हत्या के प्रकरण में जेल में था, जहां से उपचार के दौरान पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था। वह लगातार अपनी पहचान छुपाकर स्थान बदलता रहा और लगभग 15 वर्षों तक गिरफ्तारी से बचता रहा।

भेष बदलकर पुलिस टीम ने डाला डेरा: पुलिस अधीक्षक विकाश कुमार शाहवाल के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश कुमार सिंहा के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक ललित कश्यप तथा थाना प्रभारी गोपालगंज घनश्याम शर्मा के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा

सटीक रणनीति वैज्ञानिक साक्ष्य, तकनीकी विश्लेषण एवं मजबूत सूचना तंत्र के आधार पर आरोपी के संभावित ठिकानों का पता लगाया गया। उप निरीक्षक नीरज जैन के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जयपुर में भेष बदलकर सिविल ड्रेस में 4-5 दिनों तक डेरा डालकर लगातार निगरानी (रैकी) की तथा स्थानीय स्तर पर सूचनाएं एकत्रित की। इस दौरान वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्रित करने में प्रधान आरक्षक सौरभ, आरक्षक कुलदीप एवं हेमेंद्र द्वारा तकनीकी सहयोग प्रदान किया गया, वहीं थाना स्तर पर आरक्षक हीरेन्द्र एवं थिरबम द्वारा इंटेलिजेंस का विश्लेषण किया गया।

प्रधान आरक्षक अनिल प्रभाकर एवं उनके सहयोगी भरत व महेंद्र द्वारा रिकॉर्ड संधारण एवं दस्तावेजों का गहन परीक्षण किया गया, जबकि आरक्षक दशरथ द्वारा जेल एवं अन्य अभिलेखों का अध्ययन कर आरोपी की प्रवृत्ति एवं छिपने के तरीकों की महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई गई साथ ही आरोपी के मूल निवास क्षेत्र की महत्वपूर्ण सूचनाएं एकत्र करने में आरक्षक आनंद सिंधु एवं बाहर गई टीम एवं अन्य टीमों के मध्य समन्वय स्थापित करने में उप निरीक्षक आरकेएस चौहान द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लगातार निगरानी के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति चिन्हित हुआ, जिसकी गतिविधियां एवं हुलिया आरोपी से मेल खाता पाया गया।

टीम घेराबंदी कर उसे पकड़ा गया

पकड़े जाने के बाद प्रारंभिक पूछताछ में उसने स्वयं को 'मदन' नाम से प्रस्तुत कर गुमराह करने का प्रयास किया, किन्तु पुलिस द्वारा फिजिकल वेरिफिकेशन एवं पूछताछ के दौरान उसकी वास्तविक पहचान अब्दुल राशिद के रूप में स्थापित हुई, जिसे उसने स्वीकार किया। वैधानिक कार्रवाई गिरफ्तारी के उपरांत आरोपी को सुरक्षित अभिरक्षा में न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर उसे जेल भेजा गया।

विधायक मीना सिंह ने भोपाल में ली जानकारी

मानपुर के हितग्राहियों को जल्द मिलेगा आवास का लाभ

भोपाल/उमरिया। दोपहर मेट्रो

जिले के मानपुर क्षेत्र के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। क्षेत्रीय विधायक मीना सिंह ने भोपाल स्थित नगरीय प्रशासन विभाग पहुंचकर प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विभाग के अपर आयुक्त एवं प्रभारी अधिकारी शिशिर गेंगवाल से मुलाकात कर विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

बैठक में बताया गया कि नगर परिषद मानपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कुल 713 आवास स्वीकृत किए गए हैं। प्रत्येक पात्र हितग्राही को 2 लाख 50 हजार रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। इस योजना के तहत कुल लगभग 17 करोड़ 82 लाख 50 हजार रुपये की राशि स्वीकृत है।

विधायक मीना सिंह ने अधिकारियों से स्पष्ट रूप से कहा कि हितग्राहियों के खातों में राशि जल्द से जल्द जारी की जाए, ताकि गरीब और जरूरतमंद परिवारों को अपने पक्के घर का सपना पूरा करने में देरी न हो। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि प्रक्रिया तेजी से पूरी कर जल्द ही भुगतान किया जाएगा।

बताया गया कि सभी पात्र हितग्राहियों के नामों की सूची नगर परिषद मानपुर के आधिकारिक पोर्टल पर उपलब्ध है, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित की जा रही है।

इस पहल के लिए क्षेत्र के लोगों ने विधायक मीना सिंह का आभार व्यक्त किया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इससे सैकड़ों परिवारों को पक्के मकान का लाभ मिलेगा और उनका जीवन स्तर बेहतर होगा।

4 दिन से नर्मदा जल सप्लाई बंद बूंद-बूंद पानी को तरसे लोग

24 घंटे पानी देने की योजना 1 घंटे भी 2 दिन में नसीब नहीं हो पा रहा लोगों को नर्मदा जल

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो। नगर में पिछले चार दिनों से नर्मदा जल सप्लाई ठप होने के कारण नागरिकों को भारी जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। नगर के विभिन्न वार्डों में रहने वाले लोग बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान हैं और दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति करना भी मुश्किल हो गया है। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि लोगों को दूर-दराज से पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि नर्मदा जल योजना के अंतर्गत नियमित जल आपूर्ति का वादा किया गया था, लेकिन वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। नागरिक विशाल, बसंत, उत्तम, संदीप और लखन ने अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए बताया कि इस योजना से उन्हें राहत मिलने के बजाय और अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि जल सप्लाई अक्सर बाधित रहती है—कभी मोटर खराब होने का बहाना बनाया जाता है तो कभी पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने की बात कहकर सप्लाई बंद कर दी जाती है। नागरिकों ने यह भी आरोप लगाया कि संबंधित कर्मचारी 'आज-कल' कहकर लोगों को लगातार गुमराह कर रहे हैं, लेकिन समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है। इससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है और प्रशासन के प्रति असंतोष स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। नगरवासियों ने मांग की है कि जल आपूर्ति को नियमित और सुचारु बनाने के लिए स्थायी समाधान किया जाए, ताकि उन्हें बार-बार इस तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। साथ ही, उन्होंने प्रशासन से पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की भी अपील की है। यदि शीघ्र ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो नागरिक आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर हो सकते हैं। फिलहाल, तेंदूखेड़ा नगर के लोग पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं और प्रशासन की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रहे हैं। इस संबंध में नगर परिषद के प्रतिनिधि रामकुमार यादव ने बताया कि नर्मदा जल सप्लाई की मोटर खराब हो जाने के कारण जल आपूर्ति बाधित हुई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मोटर को ठीक कराने के प्रयास किए जा रहे हैं और जल्द ही सप्लाई बहाल कर दी जाएगी। हालांकि, नागरिकों का कहना है कि इस प्रकार के आश्वासन उन्हें पहले भी कई बार दिए जा चुके हैं, लेकिन स्थिति में कोई ठोस सुधार नहीं हुआ है। वहीं, इस मुद्दे पर जानकारी लेने के लिए प्रोजेक्ट मैनेजर तुषार ठाकरे जबलपुर से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने फोन उठाना उचित नहीं समझा। इससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

जबलपुर जिला अदालत में पुलिसकर्मी खुद अधिवक्ता बन चालान मामलों में जुर्माने से अधिक राशि वसूलते पकड़े गए

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के जबलपुर जिला अदालत में पुलिसकर्मी स्वयं अधिवक्ता बनकर चालान मामलों में जुर्माने से अधिक राशि वसूलते पकड़े गए हैं। आरोप है कि उन्होंने आनलाइन फाइन जमा किया। कोर्ट नंबर दो, सीजेएम के समक्ष सात समरी ट्रायल मामलों में गड़बड़ी सामने आई है। पकड़े जाने पर पुलिसकर्मियों द्वारा अधिवक्ताओं से अभद्रता किए जाने का आरोप लगा है।बता दें, अधिवक्ताओं ने पहले भी इस तरह की शिकायतें उठाई थीं। साथ ही वीडियो भी बनाया था। एक बार फिर कोर्ट ड्यूटी पर आए पुलिसकर्मियों पर गंभीर आरोप लगे हैं। एक बार फिर अधिवक्ताओं ने रंगे हाथ पकड़कर पूरे मामले का वीडियो बना लिया।

एमपी में सड़क हादसों पर हाईकोर्ट सख्त, नोटिस जारी, याचिका में रोज 41 मौत का हवाला; 9 विभागों से मांगा गया जवाब

जबलपुर, दोपहर मेट्रो। जबलपुर निवासी आशीष शिवहरे की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने सड़क हादसों के मामलों को गंभीरता से लिया है। मंगलवार को जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने 9 विभागों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। याचिका में बताया गया है कि मध्य प्रदेश में हर दिन करीब 41 लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में मौत हो रही है। इसमें वाहन चालकों के साथ खराब सड़क इंजीनियरिंग, गड्ढे, अवैध अतिक्रमण और बिना उचित प्रशिक्षण के जारी ड्राइविंग लाइसेंस को भी जिम्मेदार बताया गया है। याचिका में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा गया कि देश में रोजाना 350 से अधिक लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में मौत होती है। प्रशासन हर मामले में सिर्फ चालक को दोषी नहीं ठहरा सकता।

मेट्रो एंकर

बिजली कनेक्शन कटने पर ग्रामीणों में आक्रोश

सर्रा ग्राम पंचायत की लापरवाही से हो रहा पेयजल संकट

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत सर्रा में चार दिनों से गंभीर पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है। पंचायत द्वारा बिजली बिल का भुगतान न किए जाने के कारण पानी की टंकी का बिजली कनेक्शन काट दिया गया, जिससे पूरे गांव में पानी की आपूर्ति ठप हो गई है। इस स्थिति से परेशान ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

मंगलवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे, ग्राम पंचायत कार्यालय पहुंचे और सरपंच से जवाब-तलब किया। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि जब वे नियमित रूप से हर माह पानी का शुल्क जमा करते हैं, तो फिर बिजली बिल का भुगतान क्यों नहीं किया गया। इस पर सरपंच दिनेश खरे ने सफाई देते हुए कहा कि ग्रामीणों से जो राशि प्राप्त होती है, वह पानी सप्लाई में लगे कर्मचारियों के वेतन में खर्च हो जाती है, जिससे बिजली बिल जमा करना संभव नहीं हो पाता। सरपंच के इस जवाब से ग्रामीण संतुष्ट नहीं हुए और उन्होंने नाराजगी जताई। महिलाओं ने कहा कि गांव में पानी का कोई वैकल्पिक स्रोत उपलब्ध नहीं है, ऐसे में वे अपनी दैनिक जरूरतें कैसे पूरी करें। इस गंभीर स्थिति पर सरपंच द्वारा कोई ठोस समाधान नहीं दिया गया, जिससे लोगों का आक्रोश और बढ़ गया।ग्राम पंचायत की इस लापरवाही का खामियाजा अब आम ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। पेयजल

जैसी मूलभूत सुविधा के बाधित होने से गांव में संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर पानी की आपूर्ति बहाल करने की मांग की है।

पंचायत की लापरवाही एवं गलती का खामियाजा भुगत रहे हम लोग: नन्हेभाई अहिरवार, सीताराम अहिरवार, नत्थू अहिरवार,खिलान चक्रवर्ती,केशर वाई गौड़, रत्ती बाई चक्रवर्ती, मुन्नी बाई, ममता रानी, अनीता रानी, ने ग्रामीणों ने बताया कि हर परिवार नियमित रूप से मासिक शुल्क जमा कर रहा है, इसके बावजूद पंचायत बिजली बिल का भुगतान नहीं कर रही। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इसकी जिम्मेदारी पंचायत की है, न कि ग्रामीणों की। कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि करीब 100 कनेक्शनों से हर महीने 20-25 हजार रुपये की वसूली हो रही है। ग्रामीण मानसींग यादव ने बताया कि गांव में विधायक द्वारा उपलब्ध कराए गए तीन पानी के टैंकर हैं, लेकिन वे सभी जर्जर अवस्था में पड़े हुए हैं और उपयोग के योग्य नहीं हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले दो वर्षों से पानी की टंकी की सफाई नहीं हुई है, जिससे पानी की गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। हद तो जब हो गई जब एक पंचायत का टैंकर पलटा है और दूसरी ओर एक निजी मकान बनने के लिए ग्राम पंचायत टैंकर किराए पर दिए हुए उन्हे ग्रामीण जनों की कोई चिंता नहीं है इनका कहना-- संदीप घोषी लाइनमैन बिजली विभाग के लाइनमैन के अनुसार ग्राम पंचायत सर्रा की पानी की टंकी पर कुल 9 लाख 97 हजार 982 रुपये का बिजली बिल बकाया है, जिसके चलते कनेक्शन काटा गया है। वहीं सरपंच का कहना है कि लगभग 7 लाख रुपये का बकाया है और पंचायत में 80 से 90 कनेक्शन होने के बावजूद आधे से भी कम लोग नियमित भुगतान करते हैं इस मामले में कनिष्ठ अभियंता एम.एफ. अंसारी ने बताया कि पंचायत में दो बिजली कनेक्शन हैं, जिनमें से एक पर लगभग 5 लाख और दूसरे पर 4 लाख 83 हजार रुपये बकाया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बकाया राशि जमा नहीं होने के कारण ही कनेक्शन काटे गए हैं। जनपद पंचायत के सीईओ मनीष बागरी ने कहा कि यदि ग्राम पंचायत द्वारा जलकर की राशि यदि वसूली गई है और उसे जमा नहीं किया गया है, तो इसकी जांच कर पंचायत से राशि विद्युत कंपनी में जमा कराई जाएगी।

आर.सी.व्ही.पी.नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी मध्यप्रदेश भोपाल

क्रमांक/184/अका/खेलकूद शाखा/2026 भोपाल, दिनांक : 17.03.2026

निविदा सूचना

आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी मध्यप्रदेश भोपाल खेल परिसर हेतु जिम मशीनों के क्रय हेतु Gem पोर्टल से ऑन लाईन टेण्डर https://gem.gov.in/ के माध्यम से ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाना है।

Bid Number: GEM/2026/B/7292092 पर निविदा की शर्ते एवं अन्य विस्तृत जानकारी Gem पोर्टल पर देखी जा सकती है। निविदा प्रपत्र निविदा सूचना प्रकाशन से दिपांक 01.04.2026 तक क्रय किये जा सकते है। ऑन लाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि दिनांक 01.04.2026 दोपहर 12.00 बजे तक ऑन लाईन प्रस्तुत की जा सकेगी। निविदा सूचना में कोई भी संशोधन समाचार पत्र में न दिया जाकर Gem पोर्टल की वेबसाईट पर ही जारी किये जायेंगे। विस्तृत निविदा तथा अन्य जानकारी Gem पोर्टल https://gem.gov.in/ के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है।

संचालक,
आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा
प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी
मध्यप्रदेश, भोपाल

जी-27535/25

आईपीएल 2026 के 5-5 सबसे युवा और सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

युवा जोश बनाम बड़े सितारे, दिलचस्प होगी टक्कर

हैदराबाद, एजेंसी

आईपीएल के 19वें सीजन यानी आईपीएल 2026 की शुरुआत 28 मार्च से होने जा रही है। इस सीजन के पहले मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की भिड़ंत एमं चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) से होनी है। दुनिया की सबसे लोकप्रिय टी20 लीग में इस बार युवा जोश बनाम अनुभव, यानी एक खास मुकाबला देखने को मिलेगा। एक ओर ऐसे खिलाड़ी हैं जिनकी उम्र 19 साल से भी कम है और जो पहली बार इतने बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने को तैयार हैं, वहीं दूसरी तरफ कई अनुभवी दिग्गज हैं जो वर्षों के अनुभव के साथ मैदान में उतरेंगे। यही वजह है कि आईपीएल 2026 में नई पीढ़ी और पुराने सितारों के बीच दिलचस्प टक्कर देखने को मिल सकती है। आइए जानते हैं इस सीजन के पांच सबसे युवा और पांच सबसे उम्रदराज खिलाड़ियों के बारे में...

आईपीएल 2026 के पांच सबसे युवा खिलाड़ी

वैभव सूर्यवंशी: आईपीएल 2026 में वैभव सूर्यवंशी सबसे युवा खिलाड़ी के तौर पर उतरेंगे। वैभव की उम्र अभी सिर्फ 14 साल है। पिछले सीजन वैभव ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से हर किसी को खासा प्रभावित किया था। गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में वैभव ने आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक लगाया था। उन्होंने 35 गेंदों में शतक लगाया था। वैभव ने 7 मुकाबलों में 206 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 252 रन बनाए थे।

आयुष म्हात्रे: 16 जुलाई 2007 को जन्मे चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज आयुष म्हात्रे आईपीएल 2026 में खेलने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी होंगे। फिलहाल आयुष की उम्र 18 साल 160 दिन है। आयुष के लिए पिछला सीजन शानदार रहा था। उन्होंने 7 मुकाबलों में 188 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 240 रन बनाए थे। आयुष से चेन्नई सुपर किंग्स को इस सीजन

साहिल पारिख: आईपीएल 2026 में हिस्सा लेने वाले साहिल पारिख तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी होंगे। साहिल की उम्र फिलहाल 18 साल 199 दिन है। साहिल को दिल्ली कैपिटल्स ने ऑक्शन में 30 लाख रुपये की बोली लगाते हुए अपनी टीम में शामिल किया है। आगामी सीजन में साहिल से दिल्ली को बढ़िया प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

सात्विक देसवाल: आईपीएल 2026 के लिए हुए ऑक्शन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने सात्विक देसवाल को 30 लाख में खरीदा था। सात्विक इस सीजन खेलने वाले चौथे सबसे युवा खिलाड़ी होंगे। उनकी उम्र 18 साल 275 दिन है। सात्विक बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज हैं। सात्विक को अगर प्लेइंग इलेवन में मौका मिलता है, तो वह अपनी गेंदबाजी से छाप जरूर छोड़ना चाहेंगे।

विहान मल्होत्रा: अंडर-19 वर्ल्ड कप में अपनी बल्लेबाजी से हर किसी को प्रभावित करने वाले विहान मल्होत्रा आईपीएल 2026 में हिस्सा लेने वाले पांचवें सबसे युवा खिलाड़ी होंगे। विहान की फिलहाल उम्र 18 साल 356 दिन है। विहान को आरसीबी ने 30 लाख में खरीदा है।

और ये हैं...पांच सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

एमएस धोनी: आईपीएल 2026 में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी के तौर पर चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान एमएस धोनी मैदान पर उतरेंगे। धोनी की उम्र 44 साल है। पिछले दो सीजन से धोनी बल्लेबाजी क्रम में काफी नीचे बैटिंग करने आ रहे हैं। आईपीएल 2025 में धोनी का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। वह 14 मुकाबलों में 135 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ 196 रन ही बना सके थे।

रोहित शर्मा: मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा आईपीएल 2026 में खेलने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होंगे। रोहित इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन में 38 साल की उम्र में खेलेंगे। रोहित के लिए पिछला सीजन बल्ले से शानदार रहा था। उन्होंने 15 मुकाबलों में 149 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 418 रन बनाए थे।

विराट कोहली: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को पिछले सीजन पहला खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले विराट कोहली आईपीएल 2026 में खेलने वाले तीसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होंगे। आगामी सीजन में कोहली 37 साल की उम्र में खेलते हुए नजर आएंगे। आईपीएल 2025 में खेले 15 मुकाबलों में विराट ने 144 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 657 रन बनाए थे।

ईशांत शर्मा: आईपीएल 2026 में ईशांत शर्मा 37 साल की उम्र में हिस्सा लेंगे। ईशांत गुजरात टाइटंस की तरफ से खेलते हुए नजर आएंगे। हालांकि, आईपीएल 2025 में ईशांत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। वह 7 मुकाबलों में सिर्फ 4 विकेट निकाल सके थे और उनका गेंदबाजी इकोनॉमी भी 11.18 का रहा था।

अजिंक्य रहाणे: आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी करने वाले अजिंक्य रहाणे इस सीजन टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले पांचवें सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होंगे। रहाणे 37 साल की उम्र में आईपीएल 2026 में हिस्सा लेंगे। पिछले सीजन खेले 13 मुकाबले में रहाणे ने 147 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 390 रन बनाए थे। हालांकि, रहाणे की कप्तानी में केकेआर का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था और टीम 14 में से सिर्फ 5 मैच ही जीत सकी थी।

चेल्सी पर 92 करोड़ रुपए का जुर्माना, ट्रांसफर बैन भी लगा

चेल्सी। प्रीमियर लीग ने चेल्सी फुटबॉल क्लब पर वित्तीय नियमों के उल्लंघन के मामले में 92(10 मिलियन पाउंड) करोड़ का जुमार्ना लगाया है। क्लब पर एक साल का ट्रांसफर बैन लगाया गया है, लेकिन इसे दो साल के लिए टाल दिया गया है। यह कार्रवाई 2011 से 2018 के बीच किए गए गुप्त भुगतानों को लेकर की गई है। क्लब ने ईडन हजार्ड, विलियन और डेविड लुइज जैसे बड़े खिलाड़ियों को साइन करने के लिए अनरजिस्टर्ड एजेंटों को करोड़ों रुपए दिए थे। ईडन हजार्ड को 2012 में लिली क्लब से 393 करोड़ में साइन किया गया था।

यह पूरी गड़बड़ी उस समय की है जब क्लब के मालिक रूसी अरबपति रोमन अब्रामोविच थे। साल 2022 में जब ब्लूको ग्रुप ने क्लब को खरीदा, तो उन्हें अकाउंट्स की जांच के दौरान इन गुप्त भुगतानों का पता चला। नए मैनेजमेंट ने खुद आगे बढ़कर प्रीमियर लीग को इन उल्लंघनों की जानकारी दी। जांच में सामने आया कि क्लब से जुड़े तीसरे पक्ष के जरिए खिलाड़ियों, अनरजिस्टर्ड एजेंटों और अन्य लोगों को गुप्त भुगतान किए गए थे। इन भुगतानों की जानकारी उस समय फुटबॉल अथॉरिटी को नहीं दी गई थी, जो कि नियमों के खिलाफ है।

चेल्सी के हित में किए थे भुगतान ~प्रीमियर लीग के अनुसार ये भुगतान चेल्सी के हित में किए गए थे और इन्हें क्लब के खर्च के रूप में दिखाया जाना चाहिए था। क्लब ने यह भी माना कि इन भुगतानों को छिपाना और सही जानकारी न देना नियमों का उल्लंघन है। हालांकि जांच के बाद यह साफ हुआ कि अगर इन भुगतानों को सही तरीके से शामिल भी किया जाता, तब भी चेल्सी नियमों का उल्लंघन नहीं करती। अगर क्लब खुद इसकी जानकारी नहीं देता, तो उन पर और भी सख्त कार्रवाई हो सकती थी और उनके प्वॉइंट्स भी काटे जा सकते थे।

इंसान हूं, मुझसे भी गलतियां हुई होंगी...,

कोहली-रोहित संग रिश्तों पर कोच गौतम गंभीर का बड़ा कुबूलनामा

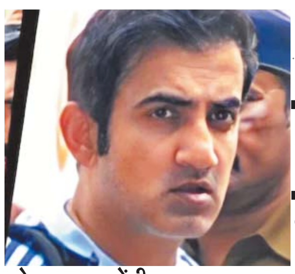

कोलकाता, एजेंसी

भारतीय मेन्स क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने पहली बार ये माना है कि वह दिग्गज बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ अपने रिश्तों को बेहतर तरीके से संभाल नहीं पाए। 16 मार्च (सोमवार) को कोलकाता में आयोजित रेवस्पोर्ट्ज कॉन्क्लेव में बोलते हुए गंभीर ने माना कि पिछले डेढ़ साल में उनसे कुछ गलतियां हुई होंगी, लेकिन उनकी नीयत हमेशा सही रही।

गौतम गंभीर ने कहा, %मैं इंसान हूं और मुझे भी गलतियां करने की अनुमति होनी चाहिए। खिलाड़ियों को भी गलतियां करने का हक है, पिछले 18 महीनों में मुझसे भी गलतियां हुई होंगी और मैं इससे पीछे नहीं हटता। लेकिन मैं हमेशा एक बात मानता हूं कि सही नीयत से लिया गया गलत फैसला भी स्वीकार किया जा सकता है, लेकिन गलत नीयत से लिया गया फैसला ड्रेसिंग रूम में बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। गौतम गंभीर ने आगे कहा, %जब तक मैं अपने ड्रेसिंग रूम के सामने ईमानदारी से खड़ा होकर उनकी आंखों में

देखकर बात कर सकता हूं, तब तक मुझे लगता है कि मैं अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभा रहा हूं।% गंभीर के कोच बनने के कुछ महीने बाद ही भारत के दो सबसे अनुभवी खिलाड़ियों विराट कोहली और रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया। यह फैसला बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में भारतीय टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आया था। इसके अलावा भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी उम्मीद के बिल्कुल विपरीत नतीजे मिले। ऐसे में भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने टीम के प्रदर्शन की समीक्षा की और कुछ नए दिशा-निर्देश लागू किए।

रो-को के संन्यास के बाद टीम में बदलाव का दौर

रोहित शर्मा और विराट कोहली के रेड बॉल क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भारतीय टेस्ट टीम में बदलाव का दौर शुरू हो गया। युवा खिलाड़ियों को ज्यादा मौके दिए जाने लगे और टीम की कप्तानी शुभमन गिल को सौंपी गई। गंभीर और शुभमन के अंडर भारत ने इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट सीरीज ड्रॉ किया और वेस्टइंडीज को अपने घर पर हराया। हालांकि साउथ अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा। विराट कोहली और रोहित शर्मा अब भारतीय टीम के लिए सिर्फ वनडे फॉर्मेट में खेल रहे हैं और दोनों की नजरें 2027 वर्ल्ड कप पर हैं। हालांकि टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ताओं ने साफ कर दिया है कि वर्ल्ड कप टीम में उनकी जगह अपने आप तय नहीं होगी और चयन पूरी तरह परफॉर्मेंस के आधार पर किया जाएगा।

सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी पर बड़ा ट्विस्ट...

कमिंस की जगह ईशान को मिल सकती है कमान

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2026 से पहले सनराइजर्स हैदराबाद के ड्रेसिंग रूम में बड़ा फैसला आकार ले रहा है। टीम इंडिया के विस्फोटक विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है, क्योंकि अब तक यह साफ नहीं है कि ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस टीम से कब जुड़ेंगे। सूत्रों के मुताबिक, SRH मैनेजमेंट ने इस मुद्दे पर अंदरखाने चर्चा की है और किशन को सबसे मजबूत विकल्प माना गया है। अगर कमिंस शुरुआती मैचों से चूकते हैं, तो किशन टीम की कमान संभाल सकते हैं। दिलचस्प बात यह है कि अभिषेक शर्मा को इस सीजन में उपकप्तान की भूमिका दी जा सकती है।

27 साल के किशन इस समय अपने करियर के सबसे बेहतरीन दौर से गुजर रहे हैं। हाल ही में हुए टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उन्होंने जबरदस्त प्रदर्शन किया और टीम इंडिया के हीरो बनकर उभरे। टॉप ऑर्डर से लेकर नंबर-3 तक, उन्होंने हर भूमिका में खुद को साबित किया- खासतौर पर तब, जब

संजू सैमसन की वापसी के बाद बल्लेबाजी क्रम में बदलाव हुआ। IPL 2025 में, जब SRH ने उन्हें 11।25 करोड़ रुपये में खरीदा, तो उन्होंने 14 मैचों में 354 रन बनाए, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल था। उनका स्ट्राइक रेट

- टी20 वर्ल्ड कप 2026 में किशन ने भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई।
- 9 पारियों में 317 रन, औसत- 35।22, स्ट्राइक रेट- 193+
- 3 अर्धशतक (फाइनल में भी एक)
- फाइनल में उनकी पारी ने भारत की जीत की नींव रखी और उन्हें टूर्नामेंट के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में शामिल कर दिया।

क्या बोले किशन?

टाइटल जीतने के बाद किशन ने कहा, टीम की जीत पूरे देश के लिए खास है। हम इसी तरह खेलते रहना चाहते हैं और जीतते रहना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि उनका प्रदर्शन युवाओं के लिए प्रेरणा बने, यही उनकी कोशिश रहती है।

SRH के लिए नया दौर?

अगर किशन को कप्तानी मिलती है, तो यह SRH के लिए एक नई शुरुआत साबित हो सकती है। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी, आत्मविश्वास और हालिया फॉर्म टीम को एक अलग पहचान दे सकते हैं। अब सबकी नजर इस बात पर है कि कमिंस कब टीम से जुड़ते हैं, लेकिन फिलहाल स्त्रा की कमान संभालने के लिए किशन पूरी तरह तैयार नजर आ रहे हैं।

बॉलीवुड का कोना

44 की उम्र में दुल्हन बनेंगी देवसेना

बाहुबली को छोड़ बिजनेसमैन से रचाएंगी शादी

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा के बाद बाहुबली एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी को लेकर खुशखबरी सामने आ रही है। खबरें हैं कि बाहुबली की देवसेना सात फेरे लेने की तैयारी कर रही हैं। चलिए फिर शादी पर गॉसिप थोड़ी विस्तार से कर लेते हैं। एक बार फिर एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी की निजी जिंदगी सुर्खियों में हैं। उनकी शादी की खबरों ने फैन्स के दिलों में खलबली मचा दी है। रिपोट्र्स की मानें, तो 44 की उम्र में अनुष्का घर बसाने को तैयार हैं। वैसे ये पहला मौका नहीं है, जब उनकी शादी खबरों सामने आ रही हैं। इससे पहले भी उनकी वेडिंग और रोमांस पर खूब बातें हुई थीं। बाहुबली के बाद एक्ट्रेस का नाम उनके को-एक्टर प्रभास संग जोड़ा गया था। ये भी कहा जा रहा था कि दोनों अपने रिश्ते को ऑफिशियल कर सकते हैं। लेकिन बाद में प्रभास और अनुष्का ने इन खबरों को खारिज कर दिया। अनुष्का और प्रभास दोनों ने एक-दूसरे को सिर्फ अपना अच्छा दोस्त बताया।

चाहने वालों का टूटा दिल

अगर शादी की खबर सुनने के बाद आप ये सोच रहे हैं कि अनुष्का का होने वाला दूल्हा फिल्म इंडस्ट्री से है, तो गलतफहमी अभी दूर कर लेते हैं। कई रिपोट्र्स में कहा जा रहा है कि उनके होने वाले दूल्हे राजा एक बिजनेसमैन हैं, जो उनके फैमिली फ्रेंड हैं। इससे ज्यादा कोई अपडेट सामने नहीं आई है। अनुष्का शेट्टी ने भी अपनी शादी को लेकर ऑफिशियल तौर पर कुछ भी नहीं कहा है। पर हां इतना जरूर है कि उनकी शादी की खबर सुनकर कई चाहने वालों का दिल टूट गया है। क्योंकि फैन्स उनकी देवसेना को बाहुबली के साथ इमेजिन कर रहे थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो, अनुष्का को आखिरी बार उन्हें 2025 में घाटी फिल्म में देखा गया था।

गलत सलाह के कारण गंवाया इम्तियाज अली का प्रोजेक्ट, डोनल ने सुनाई आपबीती

फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में काम करना जितना ग्लैमरस दिखता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी होता है। कई बार कलाकारों को लोगों की सलाह पर भरोसा करना महंगा पड़ जाता है। ऐसा ही एक अनुभव अभिनेत्री डोनल बिष्ट ने साझा किया, जिन्होंने बताया कि कैसे गलत मार्गदर्शन की वजह से वह मशहूर निर्देशक इम्तियाज अली के एक बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं बन सकीं। डोनल बिष्ट ने बताया कि उन्हें इम्तियाज अली के एक प्रोजेक्ट के लिए फाइनल शॉर्टलिस्ट किया गया था। वह इस प्रोजेक्ट के आखिरी राउंड तक पहुंच चुकी थीं और निर्देशक और उनकी टीम के साथ उनकी मीटिंग भी हो चुकी थी। यह उनके करियर का एक बड़ा मौका था, जिसे लेकर वह काफी उत्साहित थीं और उन्हें पूरा भरोसा था कि वह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन सकती हैं। अभिनेत्री ने बताया कि जैसे ही उन्हें इस मीटिंग के बारे में पता चला, उन्होंने यह खुशखबरी अपने करीबियों के साथ साझा

की। इस मौके को लेकर वह बेहद खुश थीं और उन्होंने इसे अपने करियर का टर्निंग पॉइंट मान लिया था। लेकिन यहीं से उनके लिए मुश्किलें शुरू हो गईं, क्योंकि उनके आसपास के लोगों ने उन्हें अलग-अलग तरह की सलाह देना शुरू कर दिया। डोनल ने कहा, लोगों ने बताया कि मीटिंग में कैसे बात करनी चाहिए, किन बातों को कहना है और किन चीजों से बचना है। मुझे यह भी भरोसा दिलाया गया कि अगर मैं इन सलाहों का मानती हूं, तो यह प्रोजेक्ट निश्चित रूप से मिल जाएगा। शुरुआत में मुझे लगा कि यह सब मेरे भले के लिए कहा जा रहा है, लेकिन बाद में यही सलाह मेरे लिए नुकसानदायक साबित हुई।

मेट्रो बाजार

ग्रामीण भारत में बीमा कवरेज का बड़ा विस्तार, 25000 ग्राम पंचायतों तक पहुंचेगी सुरक्षा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में बीमा पहुंच बढ़ाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में घोषणा की कि देशभर में 25,000 ग्राम पंचायतों को बीमा कवरेज के दायरे में लाया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य बीमा सेवाओं की पहुंच को गांव-गांव तक विस्तार देना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाना है।

वित्त मंत्री ने बताया कि अब ग्राम पंचायत को बीमा कवरेज के लिए प्रमुख इकाई (फोकल यूनिट) बनाया गया है, जिससे आसपास के क्षेत्रों को भी शामिल करते हुए व्यापक कवरेज सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2025 में लाए गए विधेयक के तहत बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की सीमा बढ़ाकर 100त्न कर दी गई है, ताकि निवेश बढ़े और बीमा क्षेत्र का विस्तार तेज हो। सरकार का यह कदम 2024 में लागू किए गए नए नियमों के बाद आया है, जिनमें भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने ग्रामीण सामाजिक क्षेत्र और मोटर थर्ड-पार्टी बीमा से जुड़े दायित्वों के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर समावेशन को अनिवार्य किया है। इससे दूर-दराज के इलाकों तक भी बीमा सेवाएं पहुंच सकेंगी। स्वास्थ्य बीमा को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र में कई अहम सुधार किए गए हैं। व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर तस्त्र छूट, कवरेज का विस्तार और नियामकीय समर्थन से इस सेक्टर को मजबूती मिली है।

चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा पहली बार 9.5 लाख करोड़ रुपये के करीब

नई दिल्ली। भारत का निर्यात भले ही हाल के महीनों में अच्छी वृद्धि दर्ज कर रहा हो, लेकिन चीन के साथ व्यापार घाटे ने एक नया और चिंताजनक रिकॉर्ड बना दिया है। चालू वित्त वर्ष खत्म होने में अभी एक महीना बाकी होने के बावजूद, अप्रैल-फरवरी की अवधि के दौरान यह घाटा पहली बार 100 अरब डॉलर के ऐतिहासिक आंकड़े को पार कर गया है। आइए सवाल-जवाब के जरिए समझते हैं, इस आंकड़े के क्या मायने हैं और इसका आर्थिक प्रभाव क्या होगा?

वाणिज्य विभाग की ओर से जारी हालिया आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-फरवरी के दौरान चीन के साथ व्यापार घाटा 102 अरब डॉलर (करीब 9,42,492 करोड़ रुपये) हो गया है, जो पिछले साल इसी अवधि में 91.1 अरब डॉलर (करीब 8,41,775 करोड़ रुपये) था। पूरे पिछले वित्त वर्ष के लिए भारत का व्यापार घाटा 100 अरब डॉलर से थोड़ा ही कम था। आपको बता दें कि अमेरिका के बाद, चीन के साथ सबसे ज्यादा व्यापार घाटा भारत का ही है, जिसके बाद वियतनाम का नंबर आता है। हां, निर्यात के मोर्चे पर मजबूत वृद्धि देखी गई है। अप्रैल-फरवरी के दौरान भारत के निर्यात में लगभग 38त्न की शानदार वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे यह 17.5 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। हालांकि, आयात का आधार इतना बड़ा है कि इसमें महज 15त्न की वृद्धि होने से कुल आयात लगभग 120 अरब डॉलर तक जा पहुंचा, जिसने घाटे की इस खाई को और चौड़ा कर दिया है। भारत ने सस्ते और खराब गुणवत्ता वाले आयात को रोकने के लिए कई कड़े मानक तय किए हैं, लेकिन देश की विनिर्माण गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने के लिए उद्योग अब भी भारी रूप से चीन पर निर्भर हैं।

वियतनाम का 'अगरबत्ती गांव' बना ग्लोबल 'टूरिस्ट स्पॉट'

हनोई। तस्वीर वियतनाम के 'क्वांग फू काउ' गांव की है, जिसे दुनिया 'अगरबत्ती गांव' के नाम से जानती है। तस्वीर में दिख रहे लाल गुच्छे दरअसल अगरबत्ती बनाने वाली बांस की तीलियां हैं। यह गांव करीब 100 साल से अगरबत्ती बनाने के लिए मशहूर है। तीलियों पर सुगंधित मसाला लगाने से पहले, उन्हें रंगकर सूखने के लिए फैलाया जाता है। इन्हें गोल गुच्छों में इस तरह रखा जाता है, ताकि हर तीली पर धूप पड़े। इसी वजह से ये दूर से किसी विशाल फूल जैसी दिखती हैं। वैसे तो यह प्रक्रिया साल भर चलती है, लेकिन दिसंबर से मई तक यह पूरा गांव लाल रंग में रंगा नजर आता है। पहले तीलियां सुखाना सिर्फ एक रोजमर्रा का काम था, लेकिन सोशल मीडिया पर तस्वीरें वायरल होने के बाद यह गांव एक ग्लोबल 'टूरिस्ट स्पॉट' बन गया है। अब गांव वाले पर्यटकों से तस्वीरें खींचने के लिए 200 रुपए तक की एंट्री फीस भी लेते हैं। इस गांव के 3,000 परिवार हर दिन लाखों अगरबत्तियां बनाते हैं। खास बात यह है कि ये अगरबत्तियां भारत, चीन और मलेशिया समेत कई देशों में एक्सपोर्ट होती हैं।

पालम क्षेत्र के चार मंजिला मकान में हुआ हादसा

दिल्ली में लगी भीषण आग, 7 लोग जिंदा जले

नई दिल्ली, एजेंसी

राजधानी दिल्ली के पालम क्षेत्र में एक चार मंजिला मकान में सुबह भीषण आग लग गई। इस घटना में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक, आग लगने की इस घटना की शुरुआत सुबह हुई, जब ग्राउंड फ्लोर पर स्थित कॉस्मेटिक की दुकान में आग लगी। आग तेजी से ऊपरी मंजिलों तक फैल गई।

जानकारी के मुताबिक, जिस वक्त मकान में आग लगी तब मकान के भीतर कुल 18 लोग मौजूद थे, जिनमें से कुछ ने ऊपर से कूदकर अपनी जान बचाई। लेकिन बाहर निकलने का एकमात्र रास्ता आग की चपेट में आने के कारण कई लोग अंदर फंस गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग लगने के बाद कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका जताई गई थी और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य में जुटी रहीं।दक्षिण पश्चिमी दिल्ली के पालम इलाके में एक बिल्डिंग में लगी आग को लेकर दमकल विभाग ने जानकारी दी है।

न्यूज विंडो

छापेमारी के दौरान झड़प, फायरिंग में बुजुर्ग की मौत, 4 पुलिसकर्मी घायल

मुजफ्फरपुर। जिले के गायघाट के चोरनिया में छापेमारी के दौरान पुलिस और ग्रामीणों में झड़प हो गई थी। पड़ोसी के घर में घुसने के बजाय जगतवीर राय के घर में पुलिस घुस रही थी। इसका जगतवीर राय ने विरोध किया। इसके बाद विवाद होने लगा। घटना को सुनकर आसपास के लोग जुट गए।ग्रामीणों से पुलिस की भिंड़त हो गई। इसी में जगतवीर राय को गोली लगने से मौत हो गई। आरोप है कि थानेदार राजा सिंह ने जगतवीर राय को गोली मार दी। लोगों द्वारा पुलिस पर गंभीर आरोप लगाया जा रहा है। आक्रोशित लोगों द्वारा पुलिस की गाड़ी को भी तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया गया है।मामले में एसएसपी कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि गायघाट थाना में दर्ज पॉक्सों एवं आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित मामले के प्राथमिकी अभियुक्त भीखारी राय एवं अन्य को रात्रि में गिरफ्तारी हेतु थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस टीम छापामारी करने गई थी।

एक करोड़ की लूट, पुलिस ने 24 घंटे के अंदर मास्टरमाइंड समेत 4 को दबोचा

हैदराबाद। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के कुकटपल्ली इलाके में रात को एक बड़ी लूट की वारदात हुई, जिसमें 2 लोगों से 1 करोड़ रुपये का कैश छीन लिया गया था। हालांकि लुटेरे ज्यादा देर तक खुशी नहीं मना पाए क्योंकि पुलिस ने महज 24 घंटे के अंदर इस केस को सुलझा दिया और मुख्य साजिशकर्ता सहित 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। हवाला से जुड़ी इस घटना में लूटी गई रकम में से 77 लाख 78 हजार रुपये से ज्यादा बरामद कर लिए गए हैं।हैदराबाद के बहादुरपुरा इलाके के रहने वाले शिकायतकर्ता मोहम्मद अजीमुद्दीन पुत्र कैसर ने बताया कि वह सिद्रा एंटरप्राइजेज में काम करता है। उसका साथी मोहम्मद खुसरुद्दीन भी वहीं काम करता है। कंपनी का मालिक उन्हें 10 रुपये का नोट देकर विभिन्न जगहों से कैश इकट्ठा करने भेजता था, और नोट दिखाने पर लोग पैसे दे देते थे। इकट्ठा की गई रकम को शेख इब्राहिम को सौंपना होता था। खुसरुद्दीन को पता चल गया कि यह कैश काली कमाई का है और कंपनी के मालिक हवाला के अवैध धंधे में लगा है।

सरकार का बड़ा फैसला: अब सभी फ्लाइट्स में 60 फीसदी सीटें फ्री उपलब्ध कराना होगी

गुड न्यूज: प्लेन में अब पंसद की सीट के लिए नहीं चुकाने होंगे एक्स्ट्रा पैसे

नई दिल्ली, एजेंसी

हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। अब विमानन कंपनियों को हर फ्लाइट में कम से कम 60 फीसदी सीटें बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के यात्रियों को चुनने के लिए देनी होंगी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने डीजीसीए के जरिए एयरलाइंस को यह भी निर्देश दिया है कि एक ही PNR पर यात्रा कर रहे यात्रियों को साथ बैठाया जाए। साथ ही कोशिश यह रहे कि उन्हें अगल-बगल की सीटें दी जाएं, ताकि परिवारों और ग्रुप में सफर करने वाले यात्रियों को होने वाली परेशानी दूर की जा सके।

DGCA ने साफ कहा है कि फ्लाइट में देरी, रद्द होने या बोर्डिंग से मना किए जाने की स्थिति में यात्रियों के अधिकारों का सख्ती से पालन किया जाए। इसके साथ ही एयरलाइंस को निर्देश दिया गया है कि यात्रियों के इन अधिकारों की जानकारी कंपनी अपनी वेबसाइट, मोबाइल ऐप, टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म्स और एयरपोर्ट काउंटरों पर साफ-साफ दिखाएं। यात्रियों को मिलने वाले अधिकारों की जानकारी क्षेत्रीय भाषाओं में भी दी जाएगी, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को आसानी से समझ आ सके।

पालतू जानवर ले जाने के लिए बनाएं स्पष्ट पॉलिसी

मंत्रालय ने निर्देश दिया है, कि एयरलाइंस फ्लाइट में खेलों का सामान, म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट और पालतू जानवर ले जाने की पॉलिसी भी स्पष्ट तरीके से बनाए। मंत्रालय ने कहा है कि ये पॉलिसी सुरक्षा और संचालन के नियमों के मुताबिक हों, लेकिन यात्रियों को आसान और साफ भाषा में समझाई जाएं।

उड़ान यात्री कैफे की शुरुआत

नियमों के साथ-साथ नागरिक उड्डयन मंत्रालय एयरपोर्ट पर यात्रियों की सुविधाएं भी बढ़ा रहा है। इसी कड़ी में उड़ान यात्री कैफे शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य एयरपोर्ट पर सस्ती खाने-पीने की चीजें उपलब्ध कराना है। इन कैफे में चाय और पानी सिर्फ 10 रुपये में, जबकि नाश्ता करीब 20 रुपये में मिल रहा है। हवाई यात्रा को आम लोगों के लिए आसान और किफायती बनाने के लिए ये कैफे देश के कई एयरपोर्ट पर शुरू किए जा चुके हैं। अधिकारियों ने यह भी बताया है कि एयरपोर्ट के ज्यादा भीड़भाड़ वाली जगहों समेत अन्य जगहों में भी इन कैफे की संख्या बढ़ाई जाएगी, ताकि ज्यादा से ज्यादा यात्रियों को इसका फायदा मिल सके।

राष्ट्रपति कल करेंगी रामलला के दर्शन, आज से वाहनों का प्रवेश बंद

लखनऊ। रामनगरी अयोध्या में 19 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित दौरे के कारण श्रद्धालुओं को रामलला के दर्शन में असुविधा का सामना करना पड़ सकता है।

राष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए, बुधवार रात 11 बजे से शहर के विभिन्न हिस्सों में यातायात डायवर्जन लागू कर दिया जाएगा। यह डायवर्जन 19 मार्च को शाम पांच बजे तक या राष्ट्रपति के कार्यक्रम की समाप्ति तक प्रभावी रहेगा।इस अवधि के दौरान, जिले की ओर आने वाले भारी मालवाहक वाहनों, जैसे ट्रक, ट्रैक्टर और डीसीएम, पर पूरी तरह रोक रहेगी। इन वाहनों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग किया जाएगा। अयोध्या शहर की ओर इन भारी वाहनों का प्रवेश पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा।हालांकि, आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है। इनमें एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड, दूध, दवा और अन्य महत्वपूर्ण सामान ले जाने वाले वाहन शामिल हैं।

यह हमारी लड़ाई नहीं, भारत को रखना होगा रणनीतिक संतुलन: मनीष तिवारी

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा है कि इस क्षेत्र में केवल एक युद्ध नहीं, बल्कि कई स्तरों पर संघर्ष चल रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत को इस जटिल स्थिति में संतुलित और सावधानीपूर्ण रुख अपनाना चाहिए। मनीष तिवारी ने कहा कि इस्राइल, ईरान और अमेरिका के बीच जो घटनाक्रम हो रहे हैं, वे केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इसके व्यापक वैश्विक प्रभाव हैं। एक निजी मीडिया चैनल के कार्यक्रम में शामिल हुए मनीष तिवारी ने साफ तौर पर कहा कि यह भारत की लड़ाई नहीं है और देश हमेशा से पश्चिम एशिया के बड़े भू-राजनीतिक समीकरण में एक सीमित भूमिका निभाता रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत को बिना जल्दबाजी के, सोच-समझकर कदम उठाने चाहिए ताकि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर सके।

मैनपुरी में टीनशेड गिरने से दो बच्चों समेत तीन की मौत, परिवार के अन्य 3 लोगों की हालत गंभीर

मैनपुरी, एजेंसी

घर में सो रहे परिवार पर रात कच्ची दीवार टिन शेड के साथ भरभराकर गिर गई। इससे मलबे में दबकर दो बच्चों सहित तीन की मृत्यु हो गई और तीन लोग गंभीर रुप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। तीनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए ।

कुरावली थाना क्षेत्र के गांव आठपुरा निवासी बृजेश कुमार जाटव पुत्र लालसिंह का गांव में कच्चा मकान बना हुआ है।

रात्रि करीब 11 बजे बृजेश अपनी पत्नी और चार बच्चों के साथ कच्ची दीवार के ऊपर रखी टिनशेड के नीचे लेटे हुए थे, अचानक कच्ची दीवार और इस पर रखा टिन शेड भर भरा कर गिर गया।दीवार के मलबे में सभी लोग दब गए। आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने मलबे में दबे सभी को बाहर निकाला। जब तक सभी को मलबे से बाहर निकाला गया तब तक 40 बर्षीय रुबी पत्नी बृजेश कुमार, 8 बर्षीय दिलीप कुमार पुत्र बृजेश कुमार, 13 वर्षीय बेबी पुत्री बृजेश कुमार की मौत हो चुकी थी। बृजेश कुमार, गुड़िया पुत्री बृजेश, पल्लवी पुत्री बृजेश गंभीर रुप से घायल हो गए।

मेट्रो एंकर

अफगानिस्तान में बढ़ते तनाव व ईरान में उथल-पुथल के बीच कई जोखिमों से घिरा पड़ोसी देश

पश्चिमी मोर्चे पर घिरा पाकिस्तान, भू-राजनीतिक संकट में फंसा

इस्लामाबाद, एजेंसी

आज पाकिस्तान अपने हालिया इतिहास के सबसे जटिल रणनीतिक क्षणों में से एक से गुजर रहा है। उसके पश्चिम पड़ोस में हो रहे घटनाक्रमों, विशेष रूप से ईरान के आसपास की उथल-पुथल और अफगानिस्तान में तालिबान शासन के साथ तेजी से बिगड़ते संबंध, ने ऐसा भू-राजनीतिक दबाव पैदा कर दिया है, जिसे वह न तो अनदेखा कर सकता है और न ही आसानी से संभाल सकता है। पाकिस्तान खुद को अनिश्चितता, आतंकी प्रतिक्रिया और भू-राजनीतिक जोखिमों से घिरा हुआ पाता है, जो आने वाले वर्षों में उसके सुरक्षा परिदृश्य को पूरी तरह बदल सकते हैं।

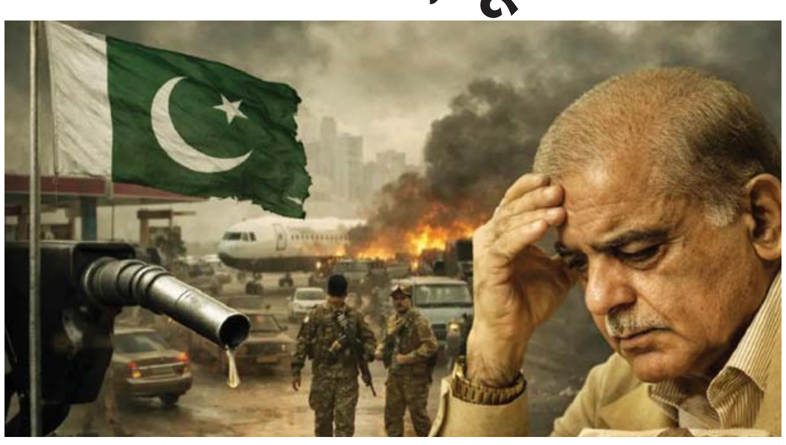

पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा शायद ही कभी शांत रही हो, लेकिन मौजूदा हालात असामान्य रूप से पेचीदा हैं। ईरान महज एक पड़ोसी नहीं है, बल्कि एक अहम भू-राजनीतिक और आर्थिक साझेदार भी है। दोनों देशों की सीमा बलूचिस्तान के दुर्गम इलाके से गुजरती है, जो लंबे समय से अस्थिर रहा है। ईरान में उथल-पुथल से सीमा पार सक्रिय अलगाववादी नेटवर्क के मजबूत होने और अशांत प्रांत बलूचिस्तान में सुरक्षा हालात के और पेचीदा होने का खतरा है। इसके अलावा, पाकिस्तान लंबे समय से ऊर्जा की कमी से भी जूझ रहा है, इसलिए ईरानी गैस उसके लिए आकर्षक विकल्प रही है। ईरान-पाकिस्तान गैस पाइपलाइन प्रतिबंधों और राजनीतिक दबावों के कारण रुकी हुई है। अगर ईरान में अस्थिरता बढ़ती है, तो इस परियोजना में और अधिक देरी हो सकती है या यह पूरी तरह रुक सकती है, जिससे पाकिस्तान की आर्थिक कमजोरियां और बढ़ जाएंगी।

भड़क सकता है सांप्रदायिक तनाव

इसके अलावा, ईरान के बाहर, शिया आबादी का सबसे बड़ा हिस्सा पाकिस्तान में ही रहता है। ईरान से जुड़ा कोई भी संघर्ष पाकिस्तान के भीतर सांप्रदायिक तनाव भड़का सकता है। इसलिए, ईरान में होने वाली उथल-पुथल का असर पाकिस्तान में बहुत जल्द महसूस किया जा सकता है। इसके अलावा, अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के साथ पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव भी एक अन्य समस्या है। पाकिस्तान का मानना था कि काबुल में एक दोस्ताना शासन होने से अफगानी जमीन का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ नहीं होगा और वहां भारत का प्रभाव सीमित रहेगा। पर 2021 में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद दोनों के रिश्ते धीरे-धीरे खराब होते चले गए।सबसे बड़ा विवाद टीटीपी की मौजूदगी को लेकर है, जिसने पाकिस्तान में कई हमलों को अंजाम दिया है। यह तनाव समय-समय पर खुलकर टकराव में बदलता रहा है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564